दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 268/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 06 मई 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

पाकिस्तान की अब खैर नहीं... वॉर मॉक ड्रिल की देशभर में तैयारी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ता जा रहा है. पाक की ओर से भी लगातार जंग की धमकी जा रही है. इस बीच आज (मंगलवार) को प्रधानमंत्री कार्यालय में नरेंद्र मोदी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की अहम बैठक हुई. बैठक करीब आधे घंटे चली। सोमवार शाम को भी प्रधानमंत्री कार्यालय में पीएम मोदी और अजीत डोभाल की बैठक हुई थी. केंद्रीय गृह सचिव भी उस बैठक में शामिल हुए. इस बैठक में पीएम मोदी द्वारा रक्षा तैयारियों का जायजा लिया गया।

इमरजेंसी हालात से निपटने की बड़ी तैयारी

गृह मंत्रालय के निर्देश पर, हमले के खतरे को देखते हुए कल (7 मई) को देश भर में 259 जगहों पर इमरजेंसी मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी, जिसमें आपातकालीन तैयारियों को परखा जाएगा. जम्मू कश्मीर में 20 जगहों समेत सीमा से जुड़े इलाकों पर खास फोकस रहेगा, और मॉक ड्रिल पर केंद्रीय गृह सचिव राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक की. उधर पाकिस्तान को सबक सिखाने का मिशन शुरू हो गया है, सीमा पर मुस्तैदी बढ़ाई गई है और पानी की सप्लाई रोके जाने से पाकिस्तान में जल संकट पैदा हो गया है.

नौसेना की तैयारी

जल, वायु और थल सेना की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है. मंगलवार को डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने बंगाल की खाड़ी में मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन का सफल परीक्षण किया है. यह एडवांस समुद्री माइन कई प्रकार के सेंसरों से दुश्मन के युद्धपोतों और पनडुब्बियों द्वारा छोड़े गए विभिन्न संकेतों का पता लगाकर पुष्टि करती है कि क्या ये शिप हमारे लिए खतरा है और फिर उचित समय पर विस्फोट करती है. यह परीक्षण पूरी तरह सफल रहा है और यह माइन नौसेना में शामिल होने के लिए तैयार है, जिससे भारत की विशाल समुद्री तटरेखा की सुरक्षा क्षमता बढ़ेगी।

मॉकड्रिल को लेकर मोहन यादव ने कलेक्टर व पुलिस अधीक्षकों को दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कल होने वाली नागरिक सुरक्षा मॉकड्रिल के संबंध में जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंत्री परिषद की बैठक से पहले संबोधन में जानकारी दी की वर्तमान राष्टीय अंतर्राष्टीय परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रदेश के पांच नगरों क्रमशः इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में कल मॉकड्रिल होगी। कल सांय 4 बजे से सायरन के माध्यम से खतरे की सूचना, ब्लैकआउट, प्रमुख अधो संरचनाओं को सुरक्षित रखने, दुर्घटना की स्थिति में घायलों को सुरक्षित निकालने जैसी गतिविधियों की ड्रिल की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि इस संबंध में जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए जा रहे हैं। ज्ञात हो कि गृह मंत्रालय के निर्देश पर 7 मई को देश भर के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल आयोजित होगी इसमें मध्यप्रदेश के पांच नगरों क्रमशः इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में मॉकड्रिल होगी।

सांध्यप्रकाश विशेष

सबरीमाला मंदिर जाएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, भगवान अयप्पा के करेंगी दर्शन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मई को केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर में भगवान अयप्पा के दर्शन करेंगी। यह पहली बार होगा जब कोई भारतीय राष्ट्रपति इस पवित्र तीर्थ स्थल का दौरा करेगा। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने इस ऐतिहासिक यात्रा की पुष्टि करते हुए इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंधन प्रारंभ हो चुके हैं, जिसमें एसपीजी और मंदिर प्रबंधन सक्रिय रूप से शामिल हैं।

राष्ट्रपति 18 मई को केरल के कोट्टायम में एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। अगले दिन सुबह वे निलक्कल हेलीपैड पहुंचेंगी और पंपा बेस कैंप से मंदिर की ओर प्रस्थान करेंगी। टीडीबी अध्यक्ष पीएस प्रशांत ने बताया कि राष्ट्रपति के पहाड़ी चढ़ाई करने का निर्णय एसपीजी के विवेक पर निर्भर है। मंदिर परिसर और आसपास की सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है। आधिकारिक कार्यक्रम प्राप्त होने पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन समीक्षा बैठक आयोजित करेंगे।

1971 के बाद ,राज्यों को 7 मई को मॉक ड्रिल करने के निर्देश

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने 7 मई को राज्यों को मॉक ड्रिल करने के निर्देश जारी किए है। हवाई हमले की चेतावनी वाले सायरन लगाने, छात्रों, नागरिकों को हमले के समय खुद को सुरक्षित रखने की जानकारी आदि बातों का उल्लेख इस आदेश में दिया गया है।

आज सुरक्षा सचिव को बुलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की। अगले 48 घंटों में क्या कुछ बड़ा होने वाला है। राजनाथ सिंह जी, अमित शाह जी लगातार पाकिस्तान को खुले मंच से बड़ी कार्यवाही की बात कहते आ रहे ही। हर दिन हाई लेवल्स की मीटिंग का दौर जारी है। प्रधानमंत्री स्वयं इस घटना क्रम पर नजर बनाए हुए है और दिशा निर्देशित कर रहे है। 1971 युद्ध के बाद आज इतने सालों बाद मॉक ड्रिल का आदेश दिया गया है। हालाकि इस बीच भारत ने कारगिल युद्ध भी लड़ा और जीता परन्तु यह एक क्षेत्र मात्र का युद्ध था इसलिए उस समय मॉक ड्रिल का आदेश नहीं दिया गया था।

पहलगाम अटैक पर यूएनएससी में जमकर लताड़ा गया पाकिस्तान

पहलगाम अटैक करवाने वाले पाकिस्तान की फिर भद्द पिटी है. बहुत उछलकर पाकिस्तान यूएनएससी गया था. उसने संयुक्त राष्ट्र के देशों को बरगलाने की कोशिश की. पर उसकी दाल नहीं गल पाई. यूएनएससी यानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने उल्टे पाकिस्तान से कठिन सवाल पूछ दिए. इसके बाद तो पाकिस्तान की बोलती ही बंद हो गई. जी हां, यूएनएससी में पाकिस्तान जमकर लताड़ा गया है. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की क्लोज्ड डोर यानी बंद कमरे की बैठक में उसकी फजीहत हुई. सदस्य देशों ने उससे ही सवाल दाग दिए कि क्या पहलगाम अटैक में लश्कर-ए-तैयबा का हाथ है? पाकिस्तान के सामने ही यूएनएससी में यह बात भी उठ गई कि आतंकियों ने धर्म पूछकर गोलियां चलाईं.

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान के आग्रह पर एक बंद कमरे में बैठक की. इस दौरान परिषद के सदस्यों ने इस्लामाबाद के 'फर्जी' दावों को मानने से इनकार करते हुए उससे कड़े सवाल पूछे. सूत्रों के मुताबिक, यूएनएससी सदस्यों ने बैठक के दौरान पहलगाम आतंकी हमले का मुद्दा उठाया और पाकिस्तान से पूछा कि क्या इसमें लश्कर-ए-तैयबा शामिल हो सकता है? परिषद ने 22 अप्रैल के हमले की व्यापक रूप से निंदा की और जवाबदेही तय करने की बात कही.

मुख्यमंत्री ने किए मप्र 10 वीं 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित

10वीं में प्रज्ञा तो 12वीं में प्रियल ने किया टॉप

मप्र बोर्ड 10वीं में 15 साल का रिकॉर्ड टूटा: 76.42% स्टूडेंट्स पास हुए, 12वीं का रिजल्ट 74.28% , कुल 212 टॉपर्स में से 144 लड़कियां

बेटियां हमारा, मान, सम्मान और गौरव बढ़ा रही हैं : मुख्यमंत्री

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने आज 6 मई को एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। एमपी बोर्ड 10वीं के परिणाम अनुसार प्रज्ञा जायसवाल ने टॉप किया है, जबकि एमपी बोर्ड 12वीं में प्रियल द्विवेदी टॉपर रही हैं। एमपी बोर्ड का रिजल्ट मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सुबह 10 बजे एक संवाददाता सम्मेलन में घोषित किए। इस दौरान राज्य के शिक्षा मंत्री,

बोर्ड के अध्यक्ष व सचिव भी मौजूद थे। छात्र-छात्राएं अपना रिजल्ट एमपी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर चेक कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपीबीएसई) की 10वीं एवं 12वीं परीक्षा के रिजल्ट की औपचारिक घोषणा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने की। इस अवसर पर सीएम यादव ने कहा कि बेटियों ने फिर बाजी मारी है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे असफल हो गए, वे यह न समझें कि यह आखिरी अवसर है। उन्हें दोबारा मौका मिलेगा। वे सालभर में दो बार परीक्षा दे सकेंगे, अत: असफल हुए छात्र निराश न हों और दोबारा परीक्षा देने का उन्हें अवसर मिलेगा। प्रदेश में 17 जून से दोबारा परीक्षा होगी, इसमें फेल होने वाले तो शामिल होंगे, साथ ही यदि कोई अपना रिजल्ट इंप्रूवमेंट करना चाहता है तो वह भी परीक्षा में बैठ सकता है। सीएम ने कहा कि यह नई शिक्षा नीति की सबसे बड़ी ताकत है।

छात्र-छात्राएं एमपी बोर्ड रिजल्ट 2025 बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट एमपीबीएसई डॉट निक डॉट इन, एमपीबीएसई डॉट एमपीऑनलाइन डॉट जीओवी डॉट इन और एमपीरिजल्ट्स डॉट निक डॉट इन पर चेक कर सकते हैं। मध्य प्रदेश बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं का स्कोरकार्ड अपना नाम या रोल नंबर दर्ज करके देखा जा सकता है। एमपी 12वीं बोर्ड का रिजल्ट 74.48 प्रतिशत रहा है।

10वीं बोर्ड की टॉपर लिस्ट

प्रज्ञा जायसवाल
आयुष द्विवेदी
शैजाह फातिमा
मानसी साहू
सुहानी प्रजापति

12वीं की टॉपर लिस्ट

ह्यूमैनिटीज- अंकुर यादव
मैथ्य साइंस- प्रियल द्विवेदी
कॉमर्स- रिमझिम करोठिया
एग्रीकल्चर- हरि ओम साहू
बायोलॉजी- गार्गी अग्रवाल

सरकारी स्कूलों का रिजल्ट प्राइवेट से बेहतर

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मैं गौरवान्वित हूं। आज मन गदगद है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 10वीं ओर 12वीं में फिर बेटियों ने बाजी मारी है। बेटियां हमारा, मान, सम्मान और गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बार पिछले 15 वर्षों का रिकार्ड टूटा है। सिंगरौली की प्रज्ञा जायसवाल ने 10वीं में टॉप किया है। उन्हें 500 में से 500 नंबर मिले हैं। इसी तरह 12वीं में प्रियल द्विवेदी ने टॉप किया है। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि सरकारी स्कूलों का रिजल्ट प्राइवेट स्कूलों से बेहतर रहा। परीक्षा परिणाम में नरसिंहपुर पहले और मंडला दूसरे स्थान पर है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने छात्रों और शिक्षकों को रिजल्ट की बधाई दी। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 2025 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। बोर्ड ने नतीजों की घोषणा के साथ दोनों कक्षाओं में विद्यार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत और टॉपर्स के नामों की भी घोषणा की है।

कैबिनेट बैठक: नक्सलवाद के सफाए के लिए 850 पद मंजूर, मिलेगा 25 हजार मानदेय

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार, 6 मई को मध्यप्रदेश कैबिनेट की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट में निर्णय लिया कि बालाघाट, मंडला, डिंडौरी से नक्सलवाद के सफाए के लिए 850 कार्यकर्ताओं के पद मंजूर किए गए हैं, इन्हें हर महीने 25 हजार मानदेय दिया जाएगा। साथ ही प्रदेश के पैरालंपिक मेडलिस्ट रुबीना फ्रांसिस और कपिल परमार को 1-1 करोड़ दिए जाएंगे।

कैबिनेट के फैसलों जानकारी देते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इस साल 8 लाख 76 हजार किसानों से 81 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी की गई है। पिछले साल 40 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया था।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा आयोजित नीति संवाद श्रृंखला का कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्वलित कर तथा सरस्वती पूजन कर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रबी उपार्जन के अंतर्गत गेहूं उपार्जन की मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में समीक्षा की।

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आई, 7 फीट ऊंचे हिम शिवलिंग के दर्शन को आएंगे लाखों श्रद्धालु

श्रीनगर एजेंसी। कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस बार बर्फ का शिवलिंग करीब 7 फीट ऊंचा है।इस शिवलिंग के दर्शन के लिए देशभर से लाखों लोग अमरनाथ आते हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी जो करीब 38 दिन चलेगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी।

यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं।22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले का अमरनाथ यात्रा के रजिस्ट्रेशन पर कोई असर नहीं नजर आ है। अब तक पिछले साल की तुलना में 20त्न ज़्यादा रजिस्ट्रेशन हुए। 15 अप्रैल से ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड के जरिए करीब 3.50 लाख श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन कराया है।

आरक्षण की लिमिट तोड़नी होगी, जाति जनगणना से पहले ही कांग्रेस ने पीएम से कर दी तीन मांगें

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर जाति जनगणना शुरु होने से पहले तीन महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं। इनमें आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा खत्म करना, तेलंगाना मॉडल अपनाना और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू करना शामिल है।

खरगे ने अपने पत्र में कहा, 16 अप्रैल 2023 को लिखे पत्र में मैंने जाति जनगणना की मांग उठाई थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अब जब आपने इसकी आवश्यकता स्वीकार की है, तो इस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जातिगत जनगणना के लिए सभी राजनीतिक दलों से बातचीत की जाए और तेलंगाना मॉडल का उपयोग हो।

तेलंगाना मॉडल क्यों खरगे ने बताया- खरगे ने तेलंगाना में हुए जातिगत सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि जनगणना में प्रश्नावली का डिजाइन सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को ध्यान में रखकर बनाया जाना चाहिए। ÷जाति संबंधी आंकड़े केवल गिनती के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक जाति की सामाजिक-

आर्थिक प्रगति को मापने के लिए सार्वजनिक होने चाहिए,÷ उन्होंने जोर दिया।

निजी संस्थानों में आरक्षण का मुद्दा कांग्रेस अध्यक्ष ने संविधान के अनुच्छेद 15(5) का जिक्र किया, जिसे 2006 में लागू किया गया था और 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा। यह अनुच्छेद निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान करता है। खरगे ने कहा कि संसद की स्थायी समिति ने भी 25 मार्च को इस संबंध में नया कानून बनाने की सिफारिश की थी।

बता दें कि इससे पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने खरगे के 5 मई के पत्र को अपने एक्स हैंडल पर साझा करते हुए कहा, ÷प्रधानमंत्री ने जातिगत जनगणना पर अचानक यू-टर्न लिया है। खरगे जी ने अपने पत्र में तीन स्पष्ट और महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं।÷ उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह पत्र 2 मई को हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद लिखा गया।

खरगे ने अंत में कहा, जाति जनगणना को विभाजनकारी नहीं माना जाना चाहिए। यह सामाजिक और आर्थिक न्याय के लिए आवश्यक है।÷ कांग्रेस की इन मांगों पर सरकार की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कांग्रेस की तीन मांगें

1- आरक्षण की 50त्न सीमा को संविधान संशोधन के जरिए खत्म करना।
2- राज्यों द्वारा पारित आरक्षण को तमिलनाडु मॉडल की तर्ज पर संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करना।
3- निजी शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षण लागू करना।

आठवीं डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस में लायन हरिओम जटिया को मिला संस्कृति रत्न सम्मान

भारतीय परिधान उत्सव में 16 मॉडल्स के परिधान में झलकी मध्यप्रदेश की विरासत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

हाई वॉल्टेज साउंड और कलरफुर लाइट्स के बीच एक के बाद एक मंच पर मध्यप्रदेश के हैंडलूम से तैयार डिजाइनर ड्रेसेस प्रस्तुत करतीं मॉडल्स। कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी2 की आठवीं डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस में आयोजित भारतीय परिधान उत्सव में। सांची स्थित मग्धम रिसोर्ट में हुए इस उत्सव की थीम आई लव माय इंडिया रखी गई। जहां मध्यप्रदेश के पारंपरिक डिजाइन्स को नए कलेवर के साथ डिजाइनर्स ने पेश किया। इन ड्रेसेस को 16 मॉडल्स ने पहन कर रैंप वॉक की। इन ड्रेसेस की डिजाइन राजधानी के फैशन डिजाइनर सपना सिंह परमार और अल्पा रावल ने तैयार की है। इस अवसर पर लायंस क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन और एक्सीलेंसी टाइम एंटरटेन्मेंट के प्रबंध संचालक हरि ओम जटिया, लायंस क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर पंकज मेहता, डिस्ट्रिक्ट गर्वनर मनीष शाह मुख्य रूप से उपस्थित हुए। इस दौरान फेमिना मिस इंडिया और मिस ग्लोब डिंपल पटेल बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट उपस्थित हुईं। इस अवसर पर लायंस क्लब की ओर से हरिओम जटिया को संस्कृति रत्न से सम्मानित किया गया।

दो राउंड में प्रस्तुत किये डिजाइनर कलेक्शन : लगभग दो घंटे चले परिधान उत्सव में कुल दो राउंड हुए। जिसमें मॉडल्स ने बाग, खादी और टाइ एंड डाई से तैयार डिजाइनर ड्रेसेस को प्रस्तुत किया। इसके अगले क्रम में मॉडल्स ने महेश्वरी, चंदेरी और बाग प्रिंट से तैयार ड्रेसेस को पहन वॉक किया। डिजाइनर्स ने विशेष रूप से इस उत्सव के लिये बाग प्रिंट पर जरी-जरदोजी वर्क के साथ एम्ब्रॉयडरी कर साड़ी तैयार की। करीब तीन सौ साल पुरानी डिजाइन्स को युवाओं की पसंद के हिसाब से तैयार किया गया। इसे हैवी ज्वेलरी के साथ कैरी करने पर रॉयल लुक मिलता है। मॉडल ने लंबे ए-लाइन गाउन, जैकेट के साथ स्कर्ट और सूती कपड़े पर महीन जरदोजी कढ़ाई वाला लहंगा भी कैरी किया। इससे पहले अभिलाषा तिवारी एवं समूह की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने अतिथियों का मन मोह लिया। इसके बाद इंटरनेशनल बैंड ओवर डोज ने धमाकेदार प्रस्तुति से शाम को यादगार बना दिया।

सेवा सदन अस्पताल को स्व. लक्ष्मीचंद मीरचंदानी के नेत्रों का दान

संत हिरदाराम नगर। मिनाल रेसीडेंस, भोपाल निवासी लक्ष्मीचंद मीरचंदानी का देहावसान 4 मई को हो गया। दिवंगत के पुत्र धीरेन्द्र मीरचंदानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं। दिवंगत के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2223 दृष्टिबाधित लोगों को नि:शुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

कैंसर चिकित्सालय में निशुल्क भोजन वितरण केंद्र के सेवाधारियों का गुजराती समाज ने किया सम्मान

भोपाल। सेवा भारती नानक मंडल द्वारा जवाहरलाल नेहरू कैंसर चिकित्सालय में विगत सात वर्षों से प्रतिदिन 350 से अधिक मरीजों एवं मरीज के परिजनों हेतु निशुल्क भोजन वितरण किया जा रहा हे उन सभी सेवाधारीयों का गुजराती समाज के अध्यक्ष संजय पटेल और कार्यकारिणी द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मान करते हुए प्रकल्प का पीड़ित मानवता हेतु संस्था के योगदान की अवस्मरणीय बताया मंडल अध्यक्ष अमित जैन और सचिव चेतन पटेल ने सेवा भारती के द्वारा किए जा रहे सेवा संस्कार और स्वावलंबन हेतु विभिन्न सेवा कार्य बताए इस अवसर पर सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया गुजराती समाज सदा नए संस्थानों को प्रोत्साहन देने का का आदर्श स्थापित किए हुए हैं इस अवसर पर दुर्वेश मालवीय, विजय गुप्ता,मुकेश अवस्थी, अजय अग्रवाल लाला, प्रेम नारायण शर्मा,मनोज शर्मा,मनीष जैन,संजय साहू,अशोक सांकले, मनीष माधवनी,रोहन जैन मीरा कांटे वाला,तृप्ति अग्रवाल,आदि का सम्मान हुआ

अमृता इंटरनेशनल स्कूल ऑफ लॉ में 2025 के लिए प्रवेश शुरू

भोपाल। अगर आपने कभी अदालत में केस पर बहस करते हुए या किसी वैश्विक लॉ फर्म में काम करते हुए खुद को कल्पना में देखा है तो अब यह सपना हकीकत बन सकता है। भारत के शीर्ष रैंक प्राप्त विश्वविद्यालय अमृता विश्व विद्यापीठम के अंतर्गत, अमृता इंटरनेशनल स्कूल ऑफ लॉ ने अपने प्रतिष्ठित पाँच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ प्रोग्राम - बी.ए., एल.एल.बी. और बी.बी.ए., एल.एल.बी.में 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए एडमिशन शुरू कर दिए हैं। यह कोर्स किफायती शुल्क में उपलब्ध है।अमृता इंटरनेशनल स्कूल ऑफ लॉ, कोयंबटूर के डीन डॉ. अनिल जी. वारियाथ ने कहा हम केवल अच्छे वकील नहीं, बल्कि नैतिक और वैश्विक दृष्टिकोण वाले विधिक प्रोफेशनल्स तैयार कर रहे हैं हमारे छात्र व्यवहारिक समस्याओं को हल करने और उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व प्रदान करने के लिए तैयार होते हैं देश और विदेश दोनों में। कोयंबटूर में एक आधुनिक और जीवंत शिक्षा परिसर में स्थित, अमृता इंटरनेशनल स्कूल ऑफ लॉ भारतीय विधिक शिक्षा की गहराई को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ जोड़ता है कृ जिससे छात्र न केवल भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए तैयार होते हैं, बल्कि वैश्विक अवसरों के लिए भी सशक्त बनते हैं। छात्र यहाँ भारतीय न्यायशास्त्र, संवैधानिक सिद्धांतों, सिविल और आपराधिक कानून की गहराई में अध्ययन करते हैं, साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय महत्व के वैकल्पिक विषयों को चुनने का अवसर भी मिलता है - जो उन्हें वैश्विक करियर की ओर अग्रसर करते हैं।

सेवा और चिकित्सा के क्षेत्र में नर्स के अतुलनीय योगदान के समक्ष संपूर्ण विश्व नतमस्तक : योग गुरु महेश अग्रवाल

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

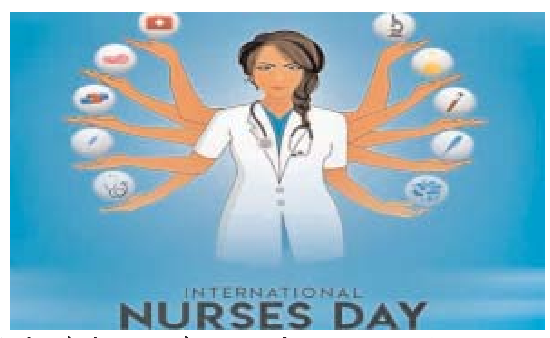

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष दोनों माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि एक नर्स दवा कम, ख्याल ज्यादा रखने की सलाह देती है। नर्स एक मां, एक बहन के रूप में मरीजों की सेवा करती हैं।यह दिन हर साल फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन की वर्षगांठ के तौर पर मनाया जाता है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल को विश्व की पहली नर्स कहा जाता है। उन्होंने क्रीमियन युद्ध के दौरान लालटेन लेकर घायल ब्रिटिश सैनिकों की देखभाल की थी। इस वजह से इन्हें लेडी विद द लैंप भी कहा गया। मरीज की जिंदगी बचाने में जितना योगदान डॉक्टर्स का होता है, उतना ही एक नर्स का। नर्स अपनी परवाह किए बिना मरीज की तन-मन से सेवा कर उनकी जान बचाती है। अपने घर और परिवार से दूर रहकर मरीजों की दिन रात सेवा करती है। नर्सों के साहस और सराहनीय कार्य के लिए यह दिवस मनाया जाता है। एक मरीज के जीवन में नर्स की बहुत बड़ी भूमिका होती है। कोई भी मरीज जब अस्पताल में अपना इलाज करवाने के लिए आता है तो डॉक्टर के माध्यम से उसका इलाज किया जाता है। डॉक्टर द्वारा इलाज करने में नर्स अपना योगदान देती है। डॉक्टर तो आपको देखकर दवा इत्यादि को पेपर पर लिख देता है लेकिन उसको कब और कितने समय बाद देनी है, इसकी देखभाल नर्स ही करती है। अस्पताल में आपको डॉक्टर इंजेक्शन नहीं लगाएगा बल्कि नर्स ही आपको इंजेक्शन देगी। मरीज को सही समय पर नर्स ही दवा खिलाती है। नर्स के अंदर दया-भाव रहता है। पूरी दुनिया में नर्स की मेहनत को देखकर विश्व भर में नर्स दिवस मनाया जाता है। एक नर्स का जीवन कठिनाइयों भरा होता है। क्योंकि हर परिस्थिति में उसको हिसाब से चलना होता है। मरीज को किसी भी बड़ी से बड़ी तथा छोटी से छोटी बीमारी होने पर हॉस्पिटल में उसकी ठीक प्रकार से देखभाल करती है। अस्पताल में भर्ती किसी मरीज को कोई भी दिक्कत होती है तो सबसे पहले नर्स को ही बुलाया जाता है और उस मरीज की समस्या का समाधान करती है। पूरी दुनिया जानती है कि नर्स से अच्छी देखभाल और कोई नहीं कर सकता है।

नर्स का सबसे बड़ा कर्तव्य होता है कि किसी भी मरीज के सही प्रकार से देखभाल करना। किसी भी नर्स को मरीज की देखभाल बिल्कुल एक बच्चे की तरह करना होता है। जब नर्स मरीज की देखभाल करती है तो उसको सही समय पर खाना, दवाइयां आदि देती है, जिससे मरीज जल्दी ठीक हो जाता है।

नर्स के जीवन का सबसे बड़ा और अहम हिस्सा मरीज होता है। बीमार मरीज की जितनी देखभाल डॉक्टर करता है उससे कहीं ज्यादा नर्स को करनी पड़ती है। मरीज को सही समय पर दवा खिलाना तथा इंजेक्शन इत्यादि को समय पर देना नर्स का मुख्य कार्य होता है। जिस प्रकार एक मां अपने बच्चे से प्रेम करती है ठीक उसी प्रकार एक नर्स भी अपने मरीज की देखभाल सही ढंग से करती है। जब किसी प्रकार की कोई दुर्घटना हो जाती है तो उन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया जाता है। अस्पताल में भर्ती घायलों के अधिक देखभाल नर्स के माध्यम से ही होती है। नर्स का जीवन भी कठिनाइयों भरा होता है क्योंकि हर नर्स की परिस्थिति अलग-अलग होती है।

पर्यावरण संरक्षण की ओर एक नई पहल

वर्तमान में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण के साथ एक सराहनीय नई शुरुआत की। उन्होंने सभी आगंतुकों से आग्रह किया कि वे उन्हें भेंट करने के लिए फूलों के गुलदस्ते न लाएँ। यह पहल आजकल के विवाह एवं अन्य समारोहों में दिए जाने वाले संदेश कृपया उपहार न लाएं, केवल उपस्थित होकर आशीर्वाद दें के अनुरूप थी। वहाँ जो कुछ फूलों के गुलदस्ते पहले से रखे गए थे, आगंतुकों को उन्हीं में से एक गुलदस्ता लेकर शिष्टाचारवश शुभकामना एवं सद्भावना व्यक्त करनी थी।इस छोटे-से प्रयास से कई महत्वपूर्ण लाभ हुए पर्यावरण की रक्षा, अनावश्यक फूलों की कटाई से बचाव, सूक्ष्म जीवों की हत्या में कमी, सफाई कर्मचारियों का कार्यभार कम होना, और कार्यक्रमों के पश्चात अवशिष्ट फूलों के प्रबंधन की समस्या से भी मुक्ति मिली।

यह सचमुच एक छोटी सी प्राथमिकता से बड़े बदलाव की ओर कदम है। मेरा सभी से विनम्र निवेदन है कि चाहे वह कोई राजनीतिक कार्यक्रम हो, विवाह-संस्कार हो या अन्य कोई आयोजन आयोजकों को चाहिए कि वे स्वयं ही सीमित फूलों के गुलदस्तों की व्यवस्था कर दें। साथ ही निमंत्रण पत्र में स्पष्ट रूप से यह संदेश छपवाएँ कि कृपया व्यक्तिगत उपहार अथवा फूल न लाएँ, मात्र अपनी उपस्थिति एवं शुभकामनाएँ दें।छोटे-छोटे प्रयासों से हम न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते हैं, बल्कि सामाजिक आयोजनों को भी अधिक सुसंगठित और अर्थपूर्ण बना सकते हैं। आइए, हम सभी इस दिशा में सकारात्मक पहल करें।

सुगालचन्द जैन, चेन्नई

श्री अमर कथा पाठ आयोजन में भगवान झूलेलाल की भक्ति में झूम उठे श्रद्धालु

संत हिरदाराम नगर। संत नगर में चल रही भगवान वरुण अवतार भगवान झूलेलाल की अमर कथा पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं और भक्ति रस का आनंद ले रहे हैं। कथा वाचक रविंद्र जोशी शास्त्री ने कहा कि जो भगवान की भक्ति में लीन है उनके जीवन में हर क्षण में प्रभु का वास होता है और कोई भी कष्ट उनको छू भी नहीं सकता। कथा में भगवान झूलेलाल के जन्म प्रसंग में श्रद्धालु भक्ति में विभोर होकर झूम उठे। कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट घनश्याम पंजवानी एवं संत नगर पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष भरत असवानी ने बताया कि संत नगर में भरूच धाम के वर्तमान गादेशवर ठाकुर साईं मनीष लाल साहब के सानिध्य में 3 मई से 6 मई तक श्री अमर कथा पाठ का आयोजन किया जा रहा है।

मानसून से पहले नाले-नालियों की सफाई व सड़कों की मरम्मत की जाएगी: राजेश

संत हिरदाराम नगर। जोन समिति की बैठक जोन कार्यालय में एमआईसी सदस्य एवं पार्षद राजेश हिंगोरानी की अध्यक्षता में रखी गई। जिसमें विकास और कई विषयों को लेकर चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मानसून से पहले जोन एक के सभी वार्ड जिसमें 3, 4, 5 के सभी नाले, नालियों की सफाई कराना, निचली बस्तियों में पानी ना भरे ऐसी व्यवस्था की जाए और

खराब सड़कों की मरम्मत की जाए। हिंगोरानी ने कहा कि आपात कक्ष का गठन किया जाए जिससे आपात जैसी स्थिति पर ध्यान रखा जाए। बैठक में वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद अशोक मारण व सचिन साहू, प्रफुल गुर्जर, रविकांत, चंद्रशेखर साहू सहित कई अधिकारी और वार्ड प्रभारी मौजूद थे।

वीर सावरकर युवा मंच ने पाकिस्तान का झंडा जलाया और जताया विरोध

संत हिरदाराम नगर। वीर सावरकर युवा मंच के तत्वाधान में पहलगाम आतंकी घटना को लेकर विरोध जताया। वीर सावरकर युवा मंच के अध्यक्ष वीरा स्वामी एवं महामंत्री राकेश यादव, पंडित रवि पटेरिया, अनिल राजपूत के नेतृत्व में बस स्टैंड चौराहे थाने के पास पाकिस्तान का झंडा पैरों तले कुचलकर झंडे को जलाया। वीरा स्वामी ने कहा कि पिछले दिनों कश्मीर के पहलगाम में जो आतंकी घटना घटी है उसे संत नगर के युवाओं ने आक्रोश में आकर पाकिस्तान के झंडे को अपने पैरों तले कुचला और बाद में झंडे को आग लगा दी और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आह्वान किया है जिस तरह सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी उससे भी बड़ी आतंकियों को सबक सिखाया जाए। देश की जनता चाहती है कि जल्द से जल्द पुलवामा, पहलगाम के दोषी आतंकियों को कब्रिस्तान की जगह में डलवा दिया जाए। विरोध प्रदर्शन के दौरान शफीक कुरैशी, असलम, भारत जाटव, गोपी लाल बामनिया, राकेश अहिरवार, सोनू जाटव, विष्णु गौड़, भगवान सिंह राजपूत सहित कई लोग मौजूद थे।

अस्थमा के 10 में से 7 गंभीर मामलों में का पता अभी भी नहीं चलता

भोपाल। ग्लोबल इनिशियेटिव फॉर अस्थमा (जीआईएनए) यानी अस्थमा के लिए वैश्विक पहल की थीम साँस के जरिये उपचार को सब के लिए सुलभ बनाना के साथ चिह्नित, इस साल का विश्व अस्थमा दिवस भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य यात्रा में एक महत्वपूर्ण मौके पर आता है। इनहेलेशन थेरेपी के महत्व और उपलब्ध उपचार की आवश्यकता पर जोर देते हुए, डॉ. हरीश पाठक, छाती रोग विशेषज्ञ, भोपाल ने कहा, अस्थमा प्रबंधन का प्राथमिक लक्ष्य लक्षणों को नियंत्रित करना, बचाव वाली दवा पर निर्भरता कम करना, अस्पताल में भर्ती होने से रोकना और फेफड़ों की कार्यक्षमता को बनाए रखना - अंततः जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। इन परिणामों को प्राप्त करने के लिए समय पर निदान, सही इनहेलर का उपयोग और लगातार अनुपालन की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से, इन क्षेत्रों में अक्सर खराब डिवाइस तकनीक, देखभाल तक सीमित पहुंच और दीर्घकालिक समर्थन की कमी के कारण बाधा उत्पन्न होती है। ब्रीथफ्री जैसी पहल ऑन-ग्राउंड स्क्रीनिंग कैंप, डिजिटल एजुकेटर प्लेटफॉर्म जैसे ऑनलाइन टूल और आसान कैसे करें डिवाइस प्रशिक्षण वीडियो के माध्यम से इन अंतरालों को पाटने में सहायता मिली है। ये संसाधन रोगियों और देखभाल करने वालों को अस्थमा पर बेहतर नियंत्रण पाने में वास्तविक अंतर लाते हैं। इलाज की कमी को दूर करने में जागरूकता की भूमिका को रेखांकित करते हुए, डॉ. ने टिप्पणी की भारत में अस्थमा अभी भी बहुत सारी गलतफ़हमी की शिकार है। इनहेलर के इस्तेमाल से जुड़ी भ्रांतियाँ और इस बीमारी का नाम तक न लेने में हिचक के कारण अक्सर निदान और उपचार में देरी होती है। इसके लिए निरंतर जागरूकता, शुरुआती शिक्षा और सार्वजनिक व निजी दोनों क्षेत्रों से सामूहिक प्रयास की ज़रूरत है ताकि ऐसा माहौल बनाया जा सके जहाँ अस्थमा को पहचाना जाए, स्वीकार किया जाए और उसका प्रभावी ढंग से इलाज किया जाए। उन्होंने आगे कहा- बेरोक जिंदगी जैसे जागरूकता अभियान और टफ़ीज़ की स्कूल यात्रा जैसे जमीनी प्रयास सटीक जानकारी फैलाने और शुरुआती हस्तक्षेप को प्रोत्साहित करके सार्थक प्रगति कर रहे हैं - खासकर बच्चों, देखभाल करने वालों और परिवारों के बीच।

विजेश लूनावत का व्यक्तित्व कितना विराट और श्रेष्ठ था आज देख भी लिया: शिवप्रकाश

विजेश लूनावत स्मृति फाउंडेशन ने एनआईटीटीआर ऑडोटोरियम में आयोजित किया चतुर्थ पुण्य स्मरण कार्यक्रम

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय विजेश लूनावत की स्मृति में विजेश लूनावत स्मृति फाउंडेशन द्वारा सोमवार को एनआईटीटीआर ऑडोटोरियम में आयोजित चतुर्थ पुण्य स्मरण कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर, पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, भाजपा के वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र शर्मा, फाउंडेशन के सचिव मृगेन्द्र सिंह, समन्वयक डॉ. शैलेष लूनावत, पुत्री सुमुस्कान लूनावत सहित फाउंडेशन के सदस्य एवं उपस्थितजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। फाउंडेशन की संयोजिका स्मिता लूनावत ने अतिथियों का स्वागत किया। समन्वयक डॉ. शैलेष लूनावत ने आभार माना। पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने स्व. विजेश लूनावत जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय विजेश लूनावत आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका उनकी स्मृतियां आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। उनका व्यक्तित्व ही ऐसा था कि आज भी उनको याद किया जा रहा है। उनका व्यक्तित्व कितना विराट और श्रेष्ठ था, सुना था आज देख भी लिया। समय से पहले दुनिया न छोड़ते तो राजनीति के लिए और बड़ा योगदान हो सकता था। पार्टी संगठन में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे कुशल संगठक और प्रखर वक्ता के साथ बहुत अच्छे इंसान थे। एक बार जो व्यक्ति लूनावत जी से मिलता था, उनके कृतित्व और व्यक्तित्व की वजह से उनकी तरफ खिंचा चला जाता था। राजनीति में ऐसे विरले लोग ही होते हैं, जिनको समाज हमेशा याद करता है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी ने कहा कि कम्युनिष्ट ने पश्चिम बंगाल में 34 वर्ष शासन यह कहकर किया कि हम गरीबों का उत्थान करेंगे। कम्युनिष्ट के 34 वर्ष के शासन और अब टीएमसी के शासनकाल में भी बंगाल गरीबी से मुक्त नहीं हुआ। आज भी देश का पहला राज्य पश्चिम बंगाल है, जहां लोग नंगे पैर राजनीतिक दलों की रैलियों में आते हैं। देश को बांटने वाली ताकतें अलग-अलग राजनीतिक दलों, संस्थाओं के रूप में कार्य कर रही हैं। 31 मार्च 2026 तक देश के अंदर से नक्सलवाद को पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाएगा। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय के विचार पर हमारी पार्टी कार्य करती है। देश में अनेक राजनैतिक दल हैं, लेकिन भाजपा सबसे अलग है। हमारी पार्टी समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता करती है। भाजपा विकास कार्य करती है। 100 प्रतिशत कार्य का लक्ष्य लेकर हमारी पार्टी कार्य शुरू करी है, उसे 100 प्रतिशत पूरा करने का कार्य भी करती है। हमारी पार्टी सबका साथ, सबका विकास के ध्येय वाक्य के आधार पर कार्य कर रही है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर कहते थे कि समाज का धन अपने लिए उपयोग करना गौमांश खाने के समान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देशभर में भाजपा की सरकारें भ्रष्टाचार रहित शासन दे रही हैं। डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए भ्रष्टाचार मुक्त शासन दे रहे हैं। राशि डायरेक्ट हितग्राहियों के बैंक खाते में पहुंच रही है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विजेश जी अजनबी से भी इतनी आत्मीयता के साथ मिलते थे कि हर कोई उनका मुरीद हो जाता था। उन्होंने दोस्ती को कभी भी स्वार्थ में बदलने नहीं दिया और न ही कभी स्वार्थ को संबंधों के बीच आने दिया। यही कारण है कि उनके सच्चे मित्रों की बहुत लंबी फेहरिस्त है। उन्होंने कहा कि विजेश जी ने सभी के बीच अमिट छाप छोड़ी है। उनके व्यक्तित्व में एक चुंबकीय आकर्षण था। वे हर समस्या के समाधान थे। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उनका काम हमेशा याद किया जाएगा। उनकी कोई महत्वकांक्षा नहीं थी। पार्टी को आगे बढ़ाने में वे निरंतर कार्य करते रहे। उनका जीवन विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध था। राजनीति में होने के बाद भी उनका कोई विरोधी नहीं था। विजेश जी का चले जाना हम सभी के लिए बहुत दुखद है। वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र शर्मा ने कहा कि विजेश लूनावत का जाना बहुत ही दुखद है। विजेश जी मेरे लिए दर्पण की तरह थे। वे स्पष्टवादी और साफ हृदय के व्यक्ति थे, जो भी उनसे मिलता था प्रभावित हो जाता था। उनका और मेरा साथ राजनीति में लंबे समय तक रहा। उनसे संपर्क में रहना मेरा सौभाग्य रहा है। हम लोगों को छोडकर वे जल्दी चले गए परंतु उनके विचार हमारे बीच सदैव मौजूद रहेंगे। वरिष्ठ पत्रकार मृगेन्द्र सिंह ने फाउंडेशन की तरफ से किए गए कार्यो की रूपरेखा प्रस्तुत की। पुत्री सुमुस्कान लूनावत ने कहा कि मेरे पापा सेवा, सहयोग और समर्पण की मिसाल थे। पापा के इसी सेवा भाव के संकल्प को हम सभी मिलकर पूरा कर रहे है। हर महीने की 5 तारीख को हम एकजुट होकर दीन दुखियों की सेवा में जुटते है और जुटते रहेंगे। सुमुस्कान ने 4 वर्षों में किए गए सेवा कार्यो को लेकर एक प्रजेंन्टेशन भी दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ उद्योगपति दिलीप सूर्यवंशी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, पंकज जोशी, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, पूर्व सांसद आलोक संजर, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. हितेश वाजपेयी, भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति, सुसरिता देशपाण्डे, सुरेन्द्र शर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार, हिदायतुल्ला शेख, किशन सूर्यवंशी, अनिल अग्रवाल, सुनील पाण्डे, राजेन्द्र जैन, अश्विनी राय, दीपक गोयल, सार्थक लूनावत सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, जैन समाज एवं पत्रकार जगत से जुड़े हुए लोग बड़ी सख्या में उपस्थित रहे।

24 इंस्पेक्टर बने प्रभारी डीएसपी

भोपाल। मध्य प्रदेश में 24 इंस्पेक्टरों को अब प्रभारी डीएसपी बनाया गया है। इन सभी के पीएचक्यू ने नए पदस्थापना आदेश जारी कर दिए है।

स.क.	नाम अधिकारी	वर्तमान पदस्थापना	प्रस्तावित पदस्थापना
	निरीक्षक संवर्ग :-		
1	श्रीमती विनिता मिंज	निरीक्षक पीटीएस तिघरा ग्वालियर	कार्यवाहक उपुअ पीटीएस तिघरा, ग्वालियर
2	श्रीमती उषा राय	निरीक्षक जिविशा सिवनी	कार्यवाहक उपुअ महिला सुरक्षा कटनी
3	श्री संजय मिश्रा	निरीक्षक ईओडब्ल्यू भोपाल	कार्यवाहक उपुअ ईओडब्ल्यू
4	श्री आनंद चौहान	निरीक्षक लोकायुक्त संगठन भोपाल	कार्यवाहक उपुअ लोकायुक्त संगठन
5	श्रीमती दीपा खरे	निरीक्षक अजाक पु.मु. भोपाल	कार्यवाहक उपुअ शिकायत पु.मु. भोपाल
6	श्री अजय कुमार पवार	निरीक्षक जिला ग्वालियर	कार्यवाहक उपुअ अजाक भिण्ड
7	श्री पंकज द्विवेदी	निरीक्षक ईओडब्ल्यू भोपाल	कार्यवाहक उपुअ ईओडब्ल्यू
8	श्री आशीष भट्टाचार्य	निरीक्षक लोकायुक्त संगठन भोपाल	कार्यवाहक उपुअ लोकायुक्त संगठन
9	श्री अरविंद सिंह दांगी	निरीक्षक जिला छतरपुर	कार्यवाहक उपुअ अजाक छतरपुर
10	श्री उमेश कुमार तिवारी	निरीक्षक जिला नरसिंहपुर	कार्यवाहक उपुअ अजाक नरसिंहपुर
11	श्री प्रवीण कुमार चढोकर	निरीक्षक जिला भोपाल (शहर)	कार्यवाहक उपुअ अजाक सीहोर
12	श्रीमती मंजुला मिश्रा	निरीक्षक अअवि पुमु भोपाल	कार्यवाहक उपुअ अअवि पु.मु. भोपाल
13	श्री बृजेश कुमार मालवीय	निरीक्षक जिला झाबुआ	कार्यवाहक उपुअ अजाक बुरहानपुर
14	श्री रामस्नेही चौहान	निरीक्षक जीआरपी भोपाल	कार्यवाहक उपुअ रेल ग्वालियर
15	श्रीमती रीना पाण्डे (शर्मा)	निरीक्षक कार्यालय पुमनि जबलपुर	कार्यवाहक स.से. 6वी वाहिनी विसबल, जबलपुर
16	श्री सौरभ त्रिपाठी	निरीक्षक जिला सागर	कार्यवाहक उपुअ अजाक दमोह
	निरीक्षक (विसबल) संवर्ग :-		
17	श्री प्रदीप सिंह तोमर	निरीक्षक(विसबल) बीडीडीएस विशा पु.मु. भोपाल	कार्यवाहक स.से. सुरक्षा वाहिनी भोपाल
18	श्री राजेन्द्र कुमार सिंह	निरीक्षक(विसबल) लोकायुक्त संगठन	कार्यवाहक उपुअ लोकायुक्त संगठन
	निरीक्षक (रेडियो) संवर्ग :-		
19	श्री मनोज वैश	निरीक्षक(रेडियो) रेडियो मुख्यालय भोपाल	कार्यवाहक उपुअ(रेडियो) रेडियो मुख्यालय, भोपाल
	रक्षित निरीक्षक संवर्ग :-		
20	श्री लाल बहादुर बौद्ध	रक्षित निरीक्षक पीटीसी इंदौर	कार्यवाहक उपुअ पीटीसी इंदौर
21	सुश्री रेखा सिंह परिहार	रक्षित निरीक्षक यातायात जिला इंदौर शहर	कार्यवाहक एसीपी यातायात जोन-4 नगरीय इंदौर
22	सुश्री लवली सोनी	रक्षित निरीक्षक पीटीएस उमरिया	कार्यवाहक उपुअ पीटीएस उमरिया
23	श्री हेमन्त कुमार करहैया	रक्षित निरीक्षक जिला दमोह	कार्यवाहक उपुअ यातायात, सागर
24	श्री सुनील कुमार दीक्षित	रक्षित निरीक्षक जिला बुरहानपुर	कार्यवाहक उपुअ यातायात, गुना

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्तियां सुनिश्चित करें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़, सुलभ एवं जनोन्मुखी बनाने के लिए कृतसंकल्पित है और इस दिशा में मानव संसाधन की नियमित उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नियुक्तियों में अनावश्यक विलंब न हो, यह प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में स्वास्थ्य विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि परिणाम घोषित होने के पश्चात नियुक्ति में तत्परता बरती जाए एवं समस्त आवश्यक औपचारिकताओं की शीघ्र पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए चिकित्सकीय मैनपावर की पर्याप्त उपलब्धता अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंडला के रामनगर में आयोजित आदि उत्सव में हुए शामिल

हृदय शाह के मोतीमहल, रानीमहल सहित शंकर शाह, रघुनाथ शाह एवं रानी दुर्गावती के स्मारकों का किया जाएगा विकास

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आजादी के लिए आन, बान और शान से लड़ने वाले राजा हृदय शाह, राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती, बिरसा मुंडा और टंट्या मामा ने महान कार्य किया है, जो जल जमीन, जंगल और जमीर की रक्षा के लिए आगे आये हैं। हमारे प्रदेश और देश के जनजातीय महापुरुषों ने हमें गौरवान्वित किया है। हमें गर्व है जनजातीय महापुरुषों के उल्लेखनीय योगदान के सम्मान में खरगोन में क्रांति सूर्य टंट्या मामा विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंडला के रामनगर में दो दिवसीय आदि उत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हृदय शाह द्वारा बनाये गए मोती महल का अवलोकन करते हुए लोक कला प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने 61 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय समुदाय के गौंड राजाओं के बने स्मारकों व किलों के विकास कार्य कराने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि रामनगर और मंडला में राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती, मोतीमहल, रानी महल को भी विकास कार्यों में शामिल किया जाएगा। उन्होंने मंच से कलेक्टर सोमेश मिश्रा को रामनगर स्थित मढ़िया के विकास के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसमें करीब 5 हजार नागरिकों की बैठक व्यवस्था के लिए सभागार, पेयजल और ठहरने की व्यवस्था आदि के प्रस्ताव शामिल होंगे। ाmनगर में आदि उत्सव के समापन पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा कानून के तहत जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए शासन द्वारा बैगा, भारिया और सहरिया जनजाति क्षेत्र के लिए 1600 करोड़ रुपए की व्यवस्था की जा रही है।

मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि रामनगर में सन् 2015 से लगातार आदि उत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। आदि उत्सव में आदिवासी लोक संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपरा और इतिहास के संबंध में जानकारी दी जाती है। आदि उत्सव कार्यक्रम में पहुँचे लोगों को उन्होंने बधाई व शुभकामनाएं दी। सांसदफग्गन सिंह कुलस्ते ने बताया कि आदि उत्सव कार्यक्रम में संपूर्ण भारत के आदिवासी लोग शामिल होते हैं। गोंडवाना गोंड राजाओं ने 1500 से अधिक वर्षों तक शासन किया है। 卐आदि उत्सव'' में आदिवासी संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपरा और इतिहास के बारे में बताया जाता है। इससे आने वाली पीढ़ी अपने आदिवासी समाज की संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपरा और इतिहास से अवगत हो सकेगी। रामनगर में आयोजित आदि उत्सव में म.प्र. के अतिरिक्त छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री, विधायक और सांसद भी शामिल हुए। कार्यक्रम में केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री समाज कल्याण अनु.जा. एवं जन. कल्याण संजीव गौंड़, शहडोल लोकसभा सांसद हिमाद्री सिंह, लोकसभा सांसद कांकेर भोजराज नाग, विधायक बरघाट कमल मर्सकोले, विधायक गोटेगांव महेन्द्र नागेश, विधायक सिहोरा संतोष वरकड़े, विधायक शहपुरा ओमप्रकाश धुर्वे, विधायक धरमपुरी कालूसिंह ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

फार्मासिस्ट पंजीयन में देरी से परेशान छात्र, अभाविप ने किया प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश में विगत एक वर्ष से स्टेट फार्मेसी काउंसिल द्वारा फार्मासिस्ट पंजीयन प्रक्रिया धिमी गति से होने के कारण प्रदेश के हजारों फार्मेसी छात्र गहरे संकट में हैं। इस समस्या को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) भोपाल महानगर द्वारा सोमवार को स्टेट काउंसिल कार्यालय के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन की पूर्व सूचना होते हुए भी काउंसिल के अध्यक्ष उपस्थित नहीं थे। इस कारण अभाविप ने कार्यवाहक रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि सभी लंबित पंजीयन प्रक्रियाएं तत्काल शुरू कर एक माह के भीतर प्रमाण-पत्र जारी किए जाएं। ऑनलाइन आवेदन के 15 दिनों के भीतर स्लॉट अलॉट किए जाएं। दस्तावेजों की स्पीड पोस्ट अनिवार्यता समाप्त कर पूरी प्रक्रिया को डिजिटल और ट्रैक योग्य बनाया जाए। हेल्पडेस्क और हेल्पलाइन नंबर की स्थापना की जाए।पुराने पंजीयन नवीनीकरण के मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटारा किया जाए। नए पंजीयन हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। पूरी प्रक्रिया में गति लाने के लिए स्थायी और पूर्णकालिक रजिस्ट्रार की नियुक्ति की जाए। अभाविप भोपाल महानगर मंत्री शिवम् जाट ने कहा, जब तक पंजीयन प्रक्रिया शुरू नहीं होती, परिषद छात्रों के साथ मिलकर चरणबद्ध आंदोलन चलाएगी। यह अन्यायपूर्ण व्यवहार अब सहन नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय फार्माविजन संयोजक अनिकेत शेलके ने कहा फार्मेसी छात्र सिर्फ डिग्रीधारी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था के सशक्त स्तंभ हैं। पंजीयन जैसी मूलभूत प्रक्रिया का एक वर्ष से लंबित रहना छात्रों के आत्मविश्वास और भविष्य को नुकसान पहुंचा रहा है। हम मांग करते हैं कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए। प्रदर्शन के दौरान उपस्थित फार्मेसी काउंसिल के कार्यवाहक रजिस्ट्रार ने आश्वासन दिया कि सभी विषयों का समाधान 60 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा।

राज्यमंत्री जायसवाल करेंगे खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल। कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल 6 मई को गौहर महल में राज्य स्तरीय खादी उत्सव 2025 के अंतर्गत खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी ग्रामोद्योग उत्पादों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं विक्रय के लिये राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 15 मई 2025 तक रहेगी। इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न खादी वस्त्र एवं ग्रामोद्योग सामग्री का उत्पादन एवं विक्रय करने वाली सस्थाओं , इकाईयों एवं प्रदेश के स्व-सहायता समूहों द्वारा भाग लिया जा रहा है। प्रदर्शनी में सभी प्रकार के खादी वस्त्रों एवं ग्रामोद्योग सामग्री पर 20 प्रतिशत छूट का लाभ आमजन को प्रदान किया जाएगा।

महंत रामभूषण दास महाराज बने आर्यावर्त षट्दर्शन साधु मंडल

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में सोमवार को आयोजित आर्यावर्त षट्दर्शन साधु मंडल-भारत की बैठक में महंत रामभूषण दास महाराज को सर्वसम्मति से संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। यह बैठक हिंदू धर्म और संस्कृति के संरक्षण व प्रचार-प्रसार के लिए संतों को एकजुट करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक में उपस्थित साधु-संतों ने सर्वसम्मति से महंत रामभूषण दास महाराज को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चुना। संगठन का मानना है कि उनके नेतृत्व में हिंदू धर्म के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के कार्यों को नई दिशा मिलेगी। महंत रामभूषण दास महाराज के नेतृत्व में संगठन ने गौवंश संरक्षण, संस्कृत शिक्षा, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में ठोस योजनाएं लागू करने का संकल्प लिया है। इसके अलावा, हिंदू धर्मस्थलों के विकास और साधु-संतों की एकता को मजबूत करने के लिए देशव्यापी अभियान चलाने की योजना है। बता दें कि आर्यावर्त षट्दर्शन साधु मंडल का गठन हिंदू धर्म के विभिन्न संप्रदायों और साधुओं को एक मंच पर लाने के लिए किया गया है। संगठन के प्रमुख उद्देश्यों में हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा, मंदिरों, मठों, और आश्रमों की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी संपत्तियों का संरक्षण, नए धार्मिक स्थलों का निर्माण, हिंदू धर्मस्थलों के विकास में सहयोग और दान स्वीकार करना, आध्यात्मिक एकता, साधुओं, पुजारियों, कथा वाचकों, और आश्रमों के संतों को संगठित कर आध्यात्मिक ऊर्जा का विकास, ऋषि और कृषि संस्कृति का प्रचार, प्राचीन आश्रमीय व्यवस्था के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक उन्नति को बढ़ावा देना, गौवंश संरक्षण, गौशालाओं का निर्माण और प्रबंधन, साथ ही गोपालन को प्रोत्साहन, संस्कृत का उत्थान, संस्कृत पाठशालाओं को साहित्य उपलब्ध कराना और भाषा के प्रचार के लिए सक्रियता और सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दे, सामाजिक समस्याओं पर संतों का मार्गदर्शन सरकार तक पहुंचाना और प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देना शामिल है।बता दें कि आर्यावर्त षट्दर्शन साधु मंडल का उद्देश्य केवल धार्मिक एकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समस्याओं के समाधान और पर्यावरण संरक्षण जैसे व्यापक मुद्दों पर भी काम करता है। संगठन सरकारों के साथ मिलकर धर्म-संगत और न्यायोचित समाधानों के लिए संघर्ष करने को प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

लिहाजा जातियों का नया संकलन तैयार होगा

भारतीय स्टेट बैंक की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार की ओर से अप्रैल 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना यानी पीएमएमवाई ने पिछले एक दशक में भारतीय महिलाओं के जीवन पर अभूतपूर्व प्रभाव डाला है। यह रिपोर्ट बताती है कि मुद्रा योजना के प्रभाव से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के ऋण प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ध्यान रहे कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना को आरंभ करने का मूल उद्देश्य माइक्रोफाइनेंस ऋण को औपचारिक रूप देते हुए हाशिए पर खड़े लोगों को सहजता से ऋण प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराना था। इन दस वर्षों में मुद्रा योजना ने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देने में ही अपनी भूमिका नहीं निभाई, बल्कि महिला सशक्तीकरण की एक नवीन पटकथा भी लिखी है। यह निर्विवाद है कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तब तक सुदृढ़ नहीं हो सकती, जब तक कि उसमें आधी आबादी की सहभागिता न हो। इसमें दोराय नहीं कि विगत दशक में देश में मजबूत सरकारी नीतियों एवं योजनाओं का ढांचा निर्मित किया गया है, जिससे न केवल भारत की अर्थव्यवस्था की मूल विशेषता यानी कुटीर एवं लघु उद्योगों को बल मिला है, बल्कि देश की आधी आबादी में आर्थिक सशक्तता का नवीन अध्याय लिखने को उन्मुख हुई है। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय आर्थिक उत्पादन में एमएसएमई की हिस्सेदारी 2021-22 के 28.6 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 30.01 प्रतिशत हो गई, जो अर्थव्यवस्था में इसकी बढ़ती भूमिका को उजागर करती है। एमएसएमई से निर्यात में भी पर्याप्त बढ़ोतरी देखी गई है, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 3.95 लाख करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 12.39 लाख करोड़ हो गई। एमएसएमई के लिए मुद्रा योजना एक जीवनरेखा बनकर उभरी है। बीते वर्ष जारी अपनी एक रिपोर्ट में अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी पुष्टि की थी कि पीएमएमवाई जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमिता के लिए भारत का सक्षम नीतिगत परिवेश ऋण तक पहुंच के माध्यम से स्वरोजगार बढ़ाने में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात है एमएसएमई में देश की महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति। इसका सबसे बड़ा कारक उनकी ऋण तक सहज पहुंच का होना है। एसबीआइ की रिपोर्ट बताती है कि बैंक के कुल ऋण में एमएसएमई की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013-14 में 15.8 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में लगभग 20 प्रतिशत हो गई। उसके अनुसार महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसाय विविध दृष्टिकोण लाते हैं, समावेशी नेतृत्व को बढ़ावा देते हैं और अक्सर सामाजिक एवं पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। महिलाओं का आर्थिक स्वावलम्बन न केवल विकास को गति देता है, अपितु निर्धनता और असमानताओं को भी कम करता है। इतना ही नहीं, बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार करता है। पुरुषों की तुलना में महिलाएं अपेक्षाकृत अपनी आय का अधिक हिस्सा परिवार एवं समुदाय के उत्थान पर खर्च करती हैं। भारत की अर्थव्यवस्था पर महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। महिला उद्यमी न केवल आर्थिक विकास को गति दे रही हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ा रही हैं। भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यम दो करोड़ 70 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं, जो रोजगार सृजन और समग्र आर्थिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का स्पष्ट प्रमाण है। बैन एंड कंपनी की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 1.57 करोड़ महिला संचालित उद्यम हैं, जो कुल उद्यमशीलता परिदृश्य का 22 प्रतिशत है। उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत पुरुषों से करीब 19.5 प्रतिशत पीछे चल रहीं महिलाओं की संख्या स्वतः-स्पष्ट कर रही है कि आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व महिलाएं करेंगी।

शिक्षा: हमारी घातक प्रणालीगत विफलता

राकेश दुबे

यह देश के लिए कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश की युवा प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में तीन छात्रों की दुखद मौतें विचलित करने वाली हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था।

नीट परीक्षा से पूर्व छात्रों का मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता को ही उजागर करता है। विडंबना ये है कि परीक्षाओं के इस जोखिम को हम नजरअंदाज करते हैं। जो बताता है कि ये प्रतिभाएं किस हद तक शैक्षणिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी तथा अवास्तविक अपेक्षाओं के मिलने से बनी जानलेवा घातकता का शिकार हो रही हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है।

यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक संजाल बन जाते हैं।

निश्चित रूप से युवाओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन कोई भी प्रावधान तब तक कारगर साबित नहीं हो सकते जब तक कि कोचिंग संस्थानों की कारगुजारियों की नियमित निगरानी न की जाए। कोचिंग संस्थानों में नामांकन से पहले अनिवार्य परामर्श और योग्यता परीक्षण मददगार हो सकता है। यह विडंबना ही है कि वर्ष 2018 के दिशा-निर्देश, जिनका मकसद छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना और निजी संस्थानों को विनियमित करना था, वे आज अप्रासंगिक हो गए हैं। यह एक हकीकत है कि सख्त निगरानी के बिना नये कानून का भी प्रतीकात्मक बनने का जोखिम बना रहता है। युवाओं को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है।

वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। यदि वे एक परीक्षा या पाठ्यक्रम में सफल नहीं होते तो रोजगार के असंख्य विकल्प उनका इंतजार कर रहे होते हैं।

अव्वल आने की होड़ में छात्रों की आत्महत्याएं चिन्ताजनक

ललित गर्ग

टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में

अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है, तभी भारत सशक्त होगा, विकसित होगा।

पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। युवाओं को भी सोचना होगा कि जिंदगी दोबारा नहीं मिलती। इसे यूं ही तनाव में आकर ना गंवाएं, बल्कि जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करें। पढ़ाई में असफल रहने के कारण कुछ बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हर परिवार की अपने बच्चों से ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। अधिकतर युवा जिंदगी में आने वाली समस्याओं को बर्दाश्त नहीं कर पाते और वे अपनी बात किसी से साझा तक नहीं करते। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं तथाकथित समाज एवं राष्ट्र विकास एवं शिक्षा की विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद तस्वीर को बयां करती है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों, उच्च शिक्षा संस्थानों एवं कोंचिंग संस्थानों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं हमारी चिन्ता का सबब बनना चाहिए।

वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में ही 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। ऐसे संस्थानों में जहां भविष्य की बड़ी-बड़ी उम्मीदें उपजनी चाहिए, वहां अगर दबाव और अवसाद अपने लिए जगह बना रहे हैं और छात्र-छात्राओं को आत्महंता बनने को विवश कर रहे हैं तो यह एक काफी गंभीर मामला है। शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निर्माताओं के लिये चिन्ता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लम्बे-चौड़े दावे करने वाली भारत सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? क्या विकास में बाधक इस समस्या को दूर करने के लिये सक्रिय प्रयास शुरु किए?

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निर्माताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिर्वतन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

छात्रों के सिर पर परीक्षा का तनाव एवं अव्वल आने की दोड़ प्रतिस्पर्धा के दौर में और भी बढ़ गयी है। आज रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। ग्रेजुएशन कर चुकने वाला छात्र केवल किसी दफ्तर में ही अपने लिये सम्भावनायें तलाशता है। लेकिन नौकरी नहीं मिलती। बेरोजगारी अवसाद की ओर ले जाती है और अवसाद आत्महत्या में त्राण पाता है। लेकिन कोचिंग संस्थानों एवं शिक्षा के उच्च संस्थान में अवसाद पसरा है और उसके कारण छात्र यदि आत्महत्या करते हैं, तो यह इस उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों के भाल पर बदनुमा दाग है। यह माना जाता है कि देश की सबसे प्रखर प्रतिभाएं इन्हीं कोचिंग संस्थानों में पहुंचती हैं, जहां लगातार हो रही आत्महत्या की खबरें यह तो बताती ही हैं कि कोचिंग संस्थानों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा, साथ ही वे बहुत से बच्चों और उनके अभिभावकों के सपने को तो तोड़ते ही हैं लेकिन उनकी उम्मीद की सांसों को ही छीन लेते हैं। बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिर्वतन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके, इन दबावों के कारण ही कुछ छात्र आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं। जब छात्रों में अव्वल आने की मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उसे पूरा करने के लिये साधन, क्षमता, योग्यता एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है। इनदिनों शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं अभिभावकों की अतिशयोक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाओं के कारण आत्महत्या की घटनाएं अधिक देखने को मिल रही है।

तानसेन की जन्मतिथि और जन्म स्थान स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकांश स्रोत उनका जन्म लगभग 1493 ई .के आस–पास बताते हैं। उनकी जीवनी भी अस्पष्ट है और कुछ सामान्य तत्वों के साथ कई परस्पर विरोधी विवरण मौजूद हैं। विभिन्न कहानियों में सामान्य तत्वों के अनुसार, बचपन में तानसेन का नाम रामतनु था। उनके पिता मुकुंद राम (जिन्हें मुकुंद गौड़ या मुकुंद चंद के नाम से भी जाना जाता है) ग्वालियर के एक धनी कवि और कुशल संगीतकार थे, जो कुछ समय के लिए वाराणसी में एक हिंदू मंदिर के पुजारी थे। कहानी के कुछ संस्करणों के अनुसार यह माना जाता है कि तानसेन पैदाइशी मूक थे और 5 साल की उम्र तक बोलते नहीं थे।

यहाँ बच्चे रोते हैं, तो सुर में और पत्थर लुढ़कते हैं तो ताल में

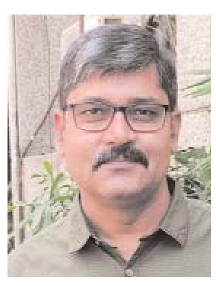

कौशल किशोर चतुर्वेदी

संगीत सम्राट तानसेन की नगरी ग्वालियर के लिए कहावत प्रसिद्ध है कि यहाँ बच्चे रोते हैं, तो सुर में और पत्थर लुढ़कते हैं तो ताल में। इस नगरी ने पुरातन काल से आज तक एक से बढ़कर एक संगीत प्रतिभाएं संसार को दी हैं और संगीतकार सूर्य तानसेन इनमें सर्वोपरि हैं।तानसेन के बारे में तथ्यों और कल्पना को मिलाकर अनेक किंवदंतियाँ लिखी गई हैं और इन कहानियों की ऐतिहासिकता संदिग्ध है। अकबर के नवरत्नों में से वह एक थे।

तानसेन एक संगीतकार, संगीतज्ञ और गायक थे, जिनकी भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी क्षेत्रों में कई रचनाओं का श्रेय दिया जाता है। वह एक वाद्ययंत्र वादक भी थे जिन्होंने संगीत वाद्ययंत्रों को लोकप्रिय बनाया और उनमें सुधार किया। वह भारतीय शास्त्रीय संगीत की उत्तर भारतीय परंपरा, जिसे हिंदुस्तानी कहा जाता है, के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों में से एक हैं। संगीत और रचनाओं में उनके 16वीं सदी के अध्ययन ने कई लोगों को प्रेरित किया, और कई उत्तर भारतीय घराने (क्षेत्रीय संगीत विद्यालय) उन्हें अपने वंश का संस्थापक मानते हैं। तानसेन को उनकी महाकाव्य ध्रुपद रचनाओं, कई नए रागों के निर्माण के साथ-साथ संगीत पर दो क्लासिक किताबें, श्री गणेश स्तोत्र और संगीत सार लिखने के लिए याद किया जाता है।

तानसेन की जन्मतिथि और जन्म स्थान स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकांश स्रोत उनका जन्म लगभग 1493 ई.के आस-पास बताते हैं। उनकी जीवनी भी अस्पष्ट है और कुछ सामान्य तत्वों के साथ कई परस्पर विरोधी विवरण मौजूद हैं। विभिन्न कहानियों में सामान्य तत्वों के अनुसार, बचपन में तानसेन का नाम रामतनु था। उनके पिता मुकुंद राम (जिन्हें मुकुंद गौड़ या मुकुंद चंद के नाम से भी जाना जाता है) ग्वालियर के एक धनी कवि और कुशल संगीतकार थे, जो कुछ समय के लिए वाराणसी में एक हिंदू मंदिर के पुजारी थे। कहानी के कुछ संस्करणों के अनुसार यह माना जाता है कि तानसेन पैदाइशी मूक थे और 5 साल की उम्र तक बोलते नहीं थे।

तानसेन ने आधुनिक मध्य प्रदेश के ग्वालियर के आसपास के क्षेत्र में अपनी कला सीखी और उसमें निपुणता हासिल की। उन्होंने अपना करियर शुरू किया और अपना अधिकांश वयस्क जीवन रीवा के हिंदू राजा, राजा रामचंद्र सिंह के दरबार और संरक्षण में बिताया, जहां तानसेन की संगीत क्षमताओं और अध्ययन ने उन्हें व्यापक प्रसिद्धि और अनुयायी प्राप्त कराए। वह राजा रामचन्द्र सिंह के करीबी विश्वासपात्र थे और वे मिलकर संगीत बनाते थे। तानसेन की प्रतिष्ठा ने उन्हें मुगल सम्राट अकबर का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने राजा रामचन्द्र सिंह के पास दूत भेजकर तानसेन को मुगल दरबार में संगीतकारों के साथ शामिल होने का अनुरोध किया। तानसेन ने शुरू में जाने से इनकार कर दिया और एकांत में चले जाना चाहा, लेकिन राजा रामचन्द्र सिंह ने उन्हें अकबर के दरबार में भेज दिया। 1562 में, लगभग साठ वर्ष की आयु में, तानसेन, जो अभी भी एक वैष्णव संगीतकार थे, पहली बार अकबर के दरबार में आये।

जैसा कि हम आज जानते हैं, हिंदुस्तानी शास्त्रीय लोकाचार के निर्माण में तानसेन का प्रभाव केंद्रीय था। कई वंशज और शिष्य उन्हें अपने वंश का संस्थापक मानते हैं। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के कई घराने उनके वंश से कुछ संबंध होने का दावा करते हैं। इन घरानों के लिए, तानसेन हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के संस्थापक हैं।

तो आज तानसेन को इसलिए याद कर रहे हैं क्योंकि वह मध्यप्रदेश की विरासत हैं और उनका निधन 6 मई 1586 ईसवीं को माना जाता है। तानसेन की मृत्यु का वर्ष, उनकी अधिकांश जीवनी की तरह, अस्पष्ट है। इस्लामी इतिहासकारों द्वारा लिखित एक संस्करण के अनुसार, तानसेन की मृत्यु 1586 में दिल्ली में हुई थी, और अकबर और उनके दरबार के अधिकांश लोग अंतिम संस्कार जुलूस में शामिल हुए थे, जो मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार पूरा हुआ था। हिंदू इतिहासकारों द्वारा लिखे गए अन्य संस्करणों के साथ-साथ अबुल फज़ल द्वारा लिखित अकबरनामा में उनकी मृत्यु की तारीख 26 अप्रैल 1589 बताई गई है और कहा गया है कि उनके अंतिम संस्कार में ज्यादातर हिंदू रीति-रिवाजों का पालन किया गया था। तानसेन के अवशेषों को ग्वालियर में उनके सूफी गुरु शेख मुहम्मद गौस के मकबरे परिसर में दफनाया गया था। हर साल दिसंबर में, तानसेन को मनाने के लिए ग्वालियर में एक वार्षिक उत्सव, तानसेन समारोह आयोजित किया जाता है।

पाकिस्तान की जेल में निर्दोष सरबजीत की हत्या

तेइस साल तक कठोर यातानाएँ: हर अंग गायब थे

रमेश शर्मा

सरबजीत सिंह वो निर्दोष भारतीय नागरिक था जो नशे की हालत में धोखे से पाकिस्तान की सीमा में चला गया । जेल में कठोर यातनायें देकर कैदियों ने हत्या कर दी । और शव भारत आया तो उसके शरीर के सभी आंतरिक अंग गायब थे ।

किसी भी सरकार की विदेश नीति और नेतृत्व कैसा होना चाहिए। कहाँ मानवीय पक्ष को प्राथमिकता हो कहाँ सख्त तेवर दिखाये जाये ये दोनों उदाहरण भारत की विभिन्न सरकारों की कार्यशैली में देखने को मिलते हैं। एक उदाहरण निर्दोष नागरिक सरबजीत सिंह का है जो धोखे से पाकिस्तान चला गया । उसे बंदी बनाकर जेल भेज दिया गया जहाँ तेइस वर्षों तक जेल में कठोर यातनाएँ देकर कैदियों ने मार डाला और भारत सरकार केवल विरोध पत्र लिखने के अतिरिक्त कुछ न कर सकी । भारत का ही दूसरा उदाहरण विंग कमांडर अभिनंदन का है जो एयर स्ट्राइक के लिये विमान लेकर पाकिस्तान सीमा में गये थे, बंदी बनाये गये लेकिन यह भारतीय नेतृत्व का दबाव था कि केवल 60 घंटों में ही पाकिस्तान ने अभिनंदन को सम्मान भारत वापस भेज दिया । जिन दिनों सरबजीत पाकिस्तान की जेल में था तब भारत में हर दल की सरकार रही । सबसे लंबी दो सरकारें काँग्रेस की रहीं। पहले प्रधानमंत्री नरसिंहराव की और फिर दस वर्ष मनमोहन सिंह की सरकार रही । पर सरबजीत की भाग्य न बदला । पाकिस्तानी जेल में उसे सतत यातनायें मिलीं । सरबजीत सिंह का जन्म पंजाब के तरनतारन जिला अंतर्गत गांव भीखीविंद में हुआ था । यह एक किसान परिवार था लेकिन पिता सुलक्षण सिंह ढिल्लो अपने गाँव से दूर उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग में नौकरी करने लगे । मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण कर सरबजीत गांव लौट आये और खेती करने लगे । अपनी आय बढ़ाने केलिये एक ट्रेक्टर खरीदकर भाड़े पर दूसरे गांवों में भी खेती करने लगे। 1984 में विवाह हुआ और दो बेटियों के पिता बने । जीवन खुशी से बीतने लगा । समय के साथ उन्हें शराब पीने की आदत लग गई और यहीं आदत पूरे घर का सुख चैन और उनकी जान ले बैठी । वह 28 अगस्त 1990 का दिन था। वे पाकिस्तान सीमा से लगे गांव में भाड़े पर ट्रैक्टर चला रहे थे । शाम को काम समाप्त कर शराब पी, भोजन किया शाम को लौटने लगे । तब सीमा पर तार की बागड़ नहीं लगी थी । सरबजीत नशे में रास्ता भटक गये और पाकिस्तान सीमा में घुस गये । पाकिस्तानी सेना पकड़ लिया । उनपर जासूसी का आरोप लगाकर सात दिन प्रताड़नाएँ दी गई । उनपर आरोप लगाया गया कि वे सरबजीत सिंह नहीं मंजीत सिंह हैं। पाकिस्तान में इस नाम से एक एफआईआर थी । सेना ने इसी नाम से अदालत में पेश किया और आरोप लगाया कि आरोपी सही नाम न बता रहा । सेना ने सरबजीत सिंह को अदालत में मंजीत सिंह के नाम से पेश किया । अदालत में उन्हें भारतीय गुप्तचर संस्था रॉ का एजेंट बताकर लाहौर, मुल्तान और फैसलाबाद बम धमाकों का आरोपी भी बनाया गया। इन आरोपों पर अदालत ने अक्टूबर 1991 में उन्हें फांसी की सजा सुना दी ।

सरबजीत सिंह के परिवार ने भारत सरकार से भी संपर्क किया और मानवाधिकार संगठनों से भी । प्रमाण के बताया गया कि वे मंजीत सिंह नहीं सरबजीत सिंह हैं। लिखापढ़ी आरंभ हुई । भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने पत्र भी लिखे । इससे फांसी की सजा टलती रही पर सरबजीत रिहा न हो सके ।

1990 से 2013 तक यद्यपि भारत में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें रहीं। काँग्रेस के नेतृत्व में नरसिंहराव सरकार, मनमोहन सिंह सरकार और भाजपा नेतृत्व में अटलजी की सरकार । लेकिन ये सभी सरकारें राजनैतिक अस्थिरता के दौर में रहीं और पाकिस्तान सरकार पर कोई दबाव नहीं बना सकीं। इसका पूरा लाभ पाकिस्तान ने उठाया । 1990 से लेकर 2013 तक भारत में न केवल निर्दोष सरबजीत सिंह पर क्रूरता हुई अपितु पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी घटनाएँ भी बढ़ी । पाकिस्तान ने अनेक झूठ रचे । फर्जी दस्तावेज तैयार किये ऐसे गवाह भी खड़े किये कि सरबजीत सिंह ही असली मंजीत सिंह है । और वह खुशी मोहम्मद के नाम से पाकिस्तान में आया था । 2005 में एक दावा तो यह भी किया कि सरबजीत सिंह उर्फ मंजीत सिंह ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है । इस खींचतान और लिखापढ़ी के बीच फांसी की सजा तो टली पर सरबजीत सिंह को रिहाई न मिली ।

रिहाई की उम्मीद और फांसी की आशंका के बीच सरबजीत सिंह लाहौर सेन्ट्रल जेल में यातनाएँ सहते रहे । लेकिन रिहाई उम्मीद कमजोर हो गई। 26 अप्रैल 2013 को लाहौर जेल के कुछ कैदियों ने सरबजीत सिंह पर हमला बोल दिया था। रीढ़ की हड्डी सहित उनके शरीर की कई हड्डियाँ टूट गईं थीं। बहुत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया । वे कोमा में थे और उनकी रीड की हड्डी भी टूट चुकी थी। फिर भी हॉस्पिटल में उन्हें वेंटीलेटर पर रखा । 29 अप्रैल 2013 को भारत सरकार ने एक बार फिर पकिस्तान से रिहा करने की अपील की । जिसे पकिस्तान सरकार ने खारिज कर दिया ।

1 मई 2013 को जिन्ना अस्पताल के डॉक्टरो ने सरबजीत सिंह को ब्रेनडेड और 2 मई 2013 को मृत घोषित कर दिया । उनका शव भारत आया । भारत में शव का पोस्टमार्टम हुआ । भारतीय डॉक्टर यह देखकर आश्चर्य चकित रह गये कि उनके शरीर के अधिकांश मुख्य अंग निकाल लिये गये थे । क्यों निकाले इसका उत्तर कभी न मिला और न पाकिस्तान ने स्वीकार किया ।

इस संदर्भ वर्ष 2019 की उस घटना उल्लेख संभवतः उचित होगा जब एयर स्ट्राइक के दौरान विंग कमांडर अभिनंदन पाकिस्तान में गिरफ्तार हो गये तब भारत सरकार का यह दबाव था पाकिस्तान ने केवल साठ घंटे के भीतर सम्मान वापस किया । बाद में अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में कहा गया कि यदि पाकिस्तान विंग कमांडर अभिनंदन को रिहा न करता तो भारत ने पाकिस्तान पर आक्रमण की तैयारी कर ली थी । पाकिस्तान की जेल में जब सरबजीत सिंह की क्रूरता पूर्वक हत्या हुआ तब भारत में मनमोहन सिंह की सरकार थी और जब विंग कमांडर अभिनंदन भारत लौटे तब प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी की सरकार थी ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

ई-रिक्शा चालकों और स्वसहायता समूह की महिलाओं से केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने किया संवाद

छतरपुर। सोमवार को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने मोटे के महावीर के समीप स्थित अटल सभागार में एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में शहर के ई-रिक्शा चालकों तथा शहरी क्षेत्र में कार्यरत घरेलू रसोईया एवं मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम का संचालन कर रही स्वसहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ई-रिक्शा चालकों को संबल कार्ड की सुविधा और उसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कार्ड ई-रिक्शा चालकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करेगा, जिससे उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा, बीमा और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम के दौरान कामकाजी महिलाओं ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। डॉ. वीरेंद्र कुमार ने सभी बातों को गंभीरता से सुना और कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण भी किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि शेष मुद्दों को भी शीघ्र ही संबंधित विभागों के माध्यम से हल किया जाएगा। इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्यरत लोगों की समस्याओं को समझना और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक और स्वसहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

31 लीटर दूध और केसर से किया भगवान शिव का अभिषेक और हवन में दी आहुतियां

सीहोर। शहर के सीवन तट पर हनुमान मंदिर गोपालधाम में शिव प्रदोष सेवा समिति के तत्वाधान में एक माह तक आयोजित होने वाले शिव शक्ति दिव्य अनुष्ठान वैशाख महापर्व का आयोजन किया जा रहा है। पूरे वैशाख के माह में आधा दर्जन से अधिक विप्रजनों के द्वारा 21 लाख महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जाएगा। सोमवार को यज्ञाचार्य पंडित पवन व्यास, पंडित कुणाल व्यास और समिति के मनोज दीक्षित मामा के मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं ने सुबह भगवान शिव का 31 लीटर दूध और केसर से अभिषेक किया। वहीं दोपहर में गायत्री मंत्रों के साथ आहुतियां दी। दिव्य अनुष्ठान के दौरान यहां पर मां बगलामुखी की जयंती मनाई गई। बगलामुखी देवी जन्म उत्सव के बारे में वर्णन करते हुए पंडित श्री व्यास ने बताया कि वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मां बगलामुखी जन्म उत्सव मनाया जाता है। इस साल यह पावन तिथि है। मां बगलामुखी दस महाविद्याओं में से एक हैं और उन्हें शत्रु नाशक, विजय प्रदायिनी तथा नकारात्मक ऊर्जा का विनाश करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। मां की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से भक्तों को भय से मुक्ति मिलती है। मां बगलामुखी को पीताम्बरा देवी के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि उन्हें पीला रंग बहुत प्रिय है। वे शक्ति और तेज का स्वरूप हैं और अपने भक्तों को हर तरह की बाधाओं और संकटों से रक्षा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि मां बगलामुखी की उपासना से वाक् सिद्धि प्राप्त होती है, जिससे व्यक्ति अपने शब्दों से दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

2I किलो गांजे के साथ पकड़े गए आरोपी को 10 साल की सजा, एक लाख का जुर्माना

आष्टा। सीहोर जिले के डाबरी गांव में अवैध गांजा खेती और बिक्री के मामले में न्यायालय ने बड़ी कार्रवाई की है। विशेष न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी विनोद कलोता को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामला 20 दिसंबर 2021 का है। थाना पार्वती के प्रभारी विक्रम आदर्श को मुखबिर से सूचना मिली थी। मुखबिर ने बताया कि डाबरी में एक व्यक्ति अपने खेत पर बने मकान में अवैध रूप से गांजे की खेती कर रहा है। पुलिस ने मौके पर छापेमारी की। आरोपी विनोद कलोता (51) को पकड़ा गया। उसकी जेब से 100 रुपये का नोट मिला। घर की तलाशी में एक प्लास्टिक की बोरी में भूरे-हरे रंग की पत्तियां मिलीं। मकान के बगल में काली पन्नी से ढकी गांजे के पौधों की सूखी टहनियां भी मिलीं। खेत में भी गांजे के पौधे लगे हुए थे। इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे से वजन करने पर कुल 2I किलो 420 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी के पास इसका कोई लाइसेंस नहीं था। पुलिस ने माल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) की अदालत ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(सी) और 20(बी)(पप)(सी) के तहत सजा सुनाई। मामले में अपर लोक अभियोजक रेखा चौरसिया ने शासन की ओर से पैरवी की।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव 9 मई को कॉरिडोर का भूमिपूजन करेंगे-संस्कृति राज्यमंत्री

दमोह। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का 9 मई 2025 को प्रस्तावित बांदकपुर आगमन को लेकर आज संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री धर्मेन्द्र लोधी ने सांसद राहुल लोधी, पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया तथा विधायक हटा उमादेवी खटीक की मौजूदगी में अधिकारियों की एक बैठक ली। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित इस बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, कलेक्टर सुधीर कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे, बांदकपुर मंदिर कमेटी अध्यक्ष सुरेश मेहता, पंकज हर्ष श्रीवास्तव, प्रबंधक कृपाल पाठक सहित अधिकारीगण मौजूद थे।

संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेन्द्र लोधी ने बैठक को संबोधित करते हुये कहा बड़ी प्रसन्नता का विषय है, कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी 9 मई को अपरान्ह लगभग 3.30 बजे बॉंदकपुर के जागेश्वरनाथ धाम आयेंगे और रूद्र मैदान में कॉरिडोर का भूमि करेगें। पूरे कॉरिडोर का काम 5 चरणों में पूरा होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कार्यक्रम में किसी प्रकार की परेशानी ना हो, सभी बुनियादी सुविधायें सुलभ कराई जायें। सारे अधिकारियों को इसमें निर्देशित किया गया और उसकी योजना बनायी गयी।

इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने लोक निर्माण विभाग कार्यपालन यंत्री को हैलीपेड एवं अन्य समुचित व्यवस्थाएं मौसम के दृष्टिगत रखते हुये सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम और एम्बुलेंस आदि के संबंध में समुचित व्यवस्थाएं करने, उन्होंने ट्राफिक प्लान पर चर्चा करते हुये पार्किंग और यातायात समुचित रूप से सुनिश्चित करने, नगर पालिका, जल निगम सहित अन्य विभागों को निर्देशानुसार समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा।

हिंडोरिया थाना प्रभारी के नेतृत्व में पकड़ी अवैध शराब

दमोह पुलिस अधीक्षक महोदय श्रुतकीर्ति सोमवंशी दमोह के निर्देशन एवं अति.पु.अधी. संदीप मिश्रा एवं एसडीओपी पथरिया रघुकेशरी के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी हिण्डोरिया के नेतृत्व मे गठित टीम द्वारा थाना हिण्डोरिया के अप0क्रमांक 191/25 धारा 34(2) आब. एक्ट के आरोपी शिवम लोधी पिता वकील लोधी उम्र 21 साल निवासी ग्राम बेला थाना पटेरा जिला दमोह के कब्जे से बाँदकपुर रोड मुनीम ढाबा के सामने हिण्डोरिया में कार क्र. स्व्क्क34ष्ट3993 में रखी 13 पेटी अवैध शराब जप्ती कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जिसे माननीय न्यायालय पेश किया जाता है। इस दौरान कार्यवाही में नाम थाना प्रभारी हिण्डोरिया धर्मन्द्र गुर्जर, सउनि, गर्जन सिंह, प्र.आर. 158 अभिषेक चौबे, प्र.आर. 128 प्रदीप जोशी, आर. 834 वीरसींग, आर. 862 इन्द्रजीत सिंह लोधी, आर.833 महेन्द्र कुमार की विशेष भूमिका रही है

संस्था के भवन और संस्था के लिए संघर्ष करने वाले पत्रकारों का होगा सम्मान

रतलाम प्रेस क्लब की पहली कार्यसमिति की बैठक हुई, कई प्रस्तावो पर हुई चर्चा

रतलाम। मां सरस्वती के पूजन और मंत्रोच्चार के साथ रतलाम प्रेस क्लब की नवीन कार्यकारिणी ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। पॉवर हाउस रोड स्थित प्रेस क्लब भवन पर शनिवार को आयोजन हुआ। पूजन के साथ पदभार ग्रहण के बाद पहली बैठक का भी आयोजन हुआ।

महर्षि संजय शिव शंकर दवे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सबसे पहले भगवान श्री गणेश और मां सरस्वती का पूजन करवाया। प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेशपुरी गोस्वामी और सचिव यश शर्मा ने पूजन किया। इस दौरान कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को तिलक लगाकर नए कार्यकाल की शुरूआत करवाई गई। रतलाम प्रेस क्लब कार्यकारिणी की पहली बैठक गोस्वामी की अध्यक्षता में 3 मई को आयोजित हुई। सर्वप्रथम प्रेस स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी गई। क्लब के विभिन्न पदाधिकारियों ने सुझाव दिए और आगामी कार्य करने के लिए फैसले लिए। पत्रकारों, पत्रकारिता, समाज और देश के हित में काम करते रहने की प्रार्थना की गई। पहली बैठक में कार्यसमिति द्वारा पहली छ्-माह की कार्ययोजना तैयार कर उसे मुर्त रूप देने का संकल्प लिया।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी चरम पर जितेंद्र शोभा खेड़ी

आष्टा। मध्य प्रदेश कानून व्यवस्था में सबसे बुरे हालत में है ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र शोभाखेड़ी ने आरोप लगाते हुए कहा कि अपराध के मामले में मध्य प्रदेश देश के शीर्ष प्रदेशों में आता है वही आए दिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता विधायक के बेटे जिस तरीके से कानून अपने हाथ में लेकर अपराध कर रहे हैं इससे ऐसा प्रतीत होता है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जो स्वयं गृह मंत्रालय भी देख रहे हैं उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को अपराध करने की छूट दे रखी है आए दिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता आम लोगों पर दादागिरी करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो देखने को मिल रहे हे वहीं उनकी गुंडागर्दी चरम पर है कि कुछ दिन पूर्व भाजपा विधायक के पुत्र ने देवास में माता जी की दर्शन के नाम पर पुजारी को डराया धमकाया वही दो-तीन दिन पूर्व आष्टा में भाजपा मंडल के एक अध्यक्ष ने पहले तो बिजली कर्मचारी को धमकाया और जब कर्मचारियों ने उसके ऊपर हुए अत्याचार के खिलाफ थाना सिद्धिगंज में रिपोर्ट लिखवाई तो अब भारतीय जनता पार्टी का मंडल अध्यक्ष खुद के बचाव के लिए शासन पर अपनी भारतीय जनता पार्टी की सरकार का दबाव बनाते हुए कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए मांग करता फिर रहा है और गलत तरीके से बिजली कर्मचारियों को डराया जा रहा है हमे उम्मीद थी कि भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष उक्त कृत्य के लिए मंडल अध्यक्ष के खिलाफ उक्त कृत्य के लिए कार्यवाही करेंगे उल्टा उनके कृत्य को छुपाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के लोग बिजली कर्मचारियों को दबाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है में मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री से निवेदन करता हु कि जनता की सुरक्षा में ध्यान देते हुए ऐसे कार्यकर्ता पर ठोस कार्यवाही करे जिससे प्रदेश में लाइन ऑडर ठीक रहे और आम लोग सुरक्षित महसूस करे।

कृषि विभाग के जांच दल ने कीटनाशक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

औबेदुल्लागंज (संबाददाता)- कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को कृषि विभाग के अधिकारियों के दल द्वारा रायसेन में विभिन्न कीटनाशक औषधि विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर जांच की गई। उप संचालक कृषि दुष्यंत कुमार धाकड़ ने बताया कि विशेष अभियान चलाते हुए जिला स्तरीय जांच दल द्वारा रायसेन में एपी कृषि सेवा केन्द्र, अभिषेक कृषि सेवा केन्द्र, मूसा एग्रीकल्चर्स, देवांश कृषि सेवा केन्द्र, गौर एग्रो एजेंसी, पटेल कृषि सेवा केन्द्र, भार्गव कृषि सेवा केन्द्र, कुश एग्रो एजेंसी, किसान एग्रो सेल्स एण्ड सर्विस तथा अन्यभ कीटनाशक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कीटनाशकों की गुणवत्ता जांची तथा स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। इस दौरान मेसर्स एपी कृषि सेवा केन्द्र, अभिषेक कृषि सेवा केन्द्र, मूसा एग्रीकल्चर्स, देवांश कृषि सेवा केन्द्र भोपाल रोड रायसेन, किसान एग्रो सेल्स एण्डि सर्विस सागर रोड रायसेन को नियम अधिनियम अनुरूप लेखा एवं स्टॉक संधारण में कमियां पाए जाने पर उपसंचालक कृषि द्वारा नियमानुसार नोटिस की कार्यावाही की जा रही है। सात दिवस के अंदर संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में जारी कीटनाशक लाइसेंस निलंबन/निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी। जिले में किसानों को उत्तम गुणवत्ता का कृषि आदान, कीटनाशक उपलब्ध हो, इसके लिए कृषि विभाग द्वारा अभियान चलाकर निरीक्षण किया जा रहा है। जांच दल में अनुविभागीय कृषि अधिकारी जीएस रैकवार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एसके त्रिपाठी, कृषि विकास अधिकारी एससी सोलंकी एवं नीतेश रघुवंशी उपस्थित रहे।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से हेड इंजरी पीड़ित मरीज को भोपाल किय रेफर

संजीवनी रूपी हेलीकॉप्टर भेजने के लिए परिजनों ने मुख्यमंत्री का माना आभार

सांध्य प्रकाश बैतूल। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के तहत आज सुबह बैतूल जिले के तहसील भैंसदेही के ग्राम घोगामा निवासी 45 वर्षीय हेमराज लोखंडे पिता श्यामराव लोखंडे, जोकि दुर्घटना में हेड इंजरी से पीड़ित है को हेलीकॉप्टर के माध्यम से बैतूल से हमीदिया अस्पताल भोपाल रेफर किया गया। हेमराज लोखंडे को गत दिवस दुर्घटना में गंभीर सिर की चोट लगने के बाद शाम को बैतूल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उनकी स्थिति बिगड़ती देख चिकित्सकों ने उन्हें तत्काल उच्च स्तरीय इलाज के लिए भोपाल रेफर करने का निर्णय लिया। मरीज को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार की पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के तहत आज उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा भोपाल ले जाया गया। इस दौरान पुलिस ग्राउंड में बने हेलीपेड पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, जिला अध्यक्ष श्री सुधाकर पवार, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार, सिविल सर्जन डॉ जगदीश घोरे सहित अन्य चिकित्सक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें। जिला चिकित्सालय के सर्जिकल स्पेशलिस्ट डॉ नितेश चौकीकर ने बताया कि हेमराज जी की ट्रक में माल चढ़ाने के दौरान गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटे आई जिसमें उनका फ्रंटल बोन फ्रैक्चर हुआ है। और सर में अंदरूनी ब्लीडिंग हुई हैं। उन्हें कल शाम को 7ः00 बजे जिला अस्पताल लाया गया था जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। लेकिन मरीज की स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें तत्काल भोपाल रेफर करने का निर्णय लिया गया। जिसमें जल्द कार्यवाही कर पीएम श्री एंबुलेंस सेवा के तहत उन्हें एयरलिफ्ट कराया जा रहा हैं। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सुरवंशी के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैतूल तथा संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद द्वारा मरीज को भोपाल रेफर करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। पुलिस ग्राउंड में हेलीपैड तैयार किया गया। और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी समय रहते पूर्ण किया गया। जिससे मरीज को बिना विलंब के सफलतापूर्वक रेफर किया जा सका।

हेमराज की पत्नी और पुत्र ने मुख्यमंत्री डॉ यादव का माना आभार

मरीज हेमराज जी की पत्नी गीता लोखंडे ने बताया कि उनके पति के सिर में गंभीर चोटे आई हैं। मैं और मेरा पूरा परिवार कल से बहुत परेशान है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वें अपने पति का बेहतर से बेहतर इलाज कैसे कराएं। पहले उन्हें महाराष्ट्र के परतवाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया था किंतु वहां से हमें जिला चिकित्सालय बैतूल रेफर किया गया। यहां इलाज करने के उपरांत उन्हें त्वरित और बेहतर उपचार के लिए हेलीकॉप्टर से हमीदिया अस्पताल ले जाया जा रहा है। जिसके लिए हम मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के बहुत-बहुत आभारी हैं। जिन्होंने संजीवनी रूपी हेलीकॉप्टर भेजकर मेरी पति को अच्छा इलाज दिलाने का काम किया है। उल्लेखनीय है। कि प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू की गई। इस निशुल्क एयर एम्बुलेंस सेवा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी गरीब या आम नागरिक उपचार के अभाव में अपनी जान न गंवाए। इस सेवा के अंतर्गत प्रदेश भर के गंभीर मरीजों को शीघ्र उच्चस्तरीय चिकित्सा केंद्रों तक पहुँचाया जा रहा है।

लोकायुक्त के आदेश के बाद आनन फानन में लंबित जांच शुरू

शहडोल। जिला शिक्षा अधिकारी शहडोल और उनके कार्यालय के कारनामे समय-समय पर अखबार और न्यूज़ चैनलों की सुर्खियां बने रहते है संभागीय मुख्यालय होने के बावजूद लाखों करोड़ों के भ्रष्टाचार को खुलेआम अंजाम दिया जा रहा है लेकिन संभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के कान पर जू क्यों नहीं रेंग रही। ऐसे तमाम सवाल आज फिर से खड़े हो गए हैं दरअसल मामला करोड़ों की खरीदी में किए गए वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार का है जहां बच्चों के भविष्य के लिए सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च करके स्मार्ट क्लास जैसी आधुनिक शिक्षा पद्धति को स्कूलों तक पहुंचाने का बेड़ा उठाया है वहीं कुछ जिम्मेदार अधिकारियों ने इस योजना को अपनी जेब भरने का एक बड़ा साधन बना लिया। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के लिए सबसे बड़ा कानूनी आधार कहे जाने वाले लोकायुक्त के द्वारा स्पष्ट आदेश के बावजूद एक साल बीत जाने के बावजूद जिला प्रशासन ने इस कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी जमीनी जांच और कार्यवाही आज दिनांक तक क्यों नहीं की इसको लेकर प्रयासों का बाजार गर्म है। आईटीसी लैब खरीदी मामला स्कूलों में मरम्मत का मामला अवैध मदरसा के संचालन का मामला प्रतिनियुक्ति का मामला और भी कई ऐसे मामले हैं जो जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की शोभा खबरों के माध्यम से बढ़ते रहते हैं जिला स्तर की शिकायत की जांच अभी तक लंबित होना जांच प्रक्रिया पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़े करता है आखिर किसके दबाव में अभी तक इस जाट को दबा कर रखा गया।

लोकायुक्त मध्य प्रदेश ने जारी किया आदेश: मध्य प्रदेश लोकायुक्त महोदय ने शहडोल कलेक्टर, आयुक्त लोक शिक्षण, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश को 14 मई 2025 को शहडोल जिले के शिक्षा विभाग से संबंधित एक बड़े भ्रष्टाचार की जांच रिपोर्ट को लेकर प्रस्तुत होने का आदेश जारी किया है। इसके बाद आनन फानन में जिले का प्रशासनिक अमला आज जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांच के लिए पहुंचा। जहां मौके पर पहुंचे मीडिया कर्मियों से जांच अधिकारियों ने बात करने से साफ इनकार कर दिया उनके द्वारा कहा गया कि इस संबंध में आपको जो भी बात करनी है वह शहडोल कलेक्टर से कीजिए।

चलिए जानते हैं क्या है पूरा मामला: प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मरपाची और समग्र शिक्षा सेकेंडरी एजुकेशन सहायक परियोजना समन्वयक अरविंद पांडे के द्वारा आईटीसी लैब खरीदी जिसमें कंप्यूटर टीवी और स्मार्ट क्लासेस संबंधित सामग्री की वित्तीय वर्ष 2023- 24 में लगभग दो करोड़ 55 लाख 91200 रुपए की खरीदी में बड़े स्तर पर वित्तीय अनियमितता के दस्तावेजी प्रमाण के साथ मध्य प्रदेश लोकायुक्त के समक्ष शिकायत प्रस्तुत किया गया था। जिसमें मध्य प्रदेश भंडार क्रय नियम 2015 तथा सेवा उपार्जन नियम 2022 के नियमों को ताक पर रखकर करोड़ों की खरीद में बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा किया गया था। गौरतलब हैं शिकायतकर्ता के द्वारा 1 अप्रैल 2024 को भोपाल लोकायुक्त के सामने अपनी शिकायत प्रस्तुत किया गया है जिसका जवाब शहडोल कलेक्टर कार्यालय द्वारा 26 जुलाई 2024 तक लोकायुक्त के सामने प्रस्तुत किया जाना था लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मरपाची के दबाव के आगे प्रशासनिक अमले ने घुटने टेक दिए। जांच को लंबित रखा गया लेकिन लगभग एक वर्ष बीत जाने के बाद भोपाल लोकायुक्त ने 14 मई 2025 को शहडोल कलेक्टर ,आयुक्त लोक शिक्षण, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश को जांच प्रतिवेदन के साथ प्रस्तुत होने के लिए आदेशित किया गया है।

जांच टीम में सम्मिलित अधिकारी: सूत्रों के अनुसार शहडोल कलेक्टर द्वारा लोकायुक्त जांच के लिए संयुक्त कलेक्टर स्थापना, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग, ट्रेजरी ऑफिसर, ई गवर्नेंस लोक सेवा प्रबंधक एवं अन्य स्टाफ को सम्मिलित किया गया। गौरतलब है एक वर्ष से लंबित इस मामले पर अभी तक जांच टीम के द्वारा कोई जमीनी जांच क्यों नहीं की गई क्या जांच टीम इस मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। क्या इसे प्रशासनिक पारदर्शिता माना जाए। ऐसे तमाम सवाल आज प्रशासन की गलियारो में चर्चा का विषय बने हुए हैं। जहां तमाम तरह के आरोप प्रशासन पर लग रहे हैं जिनका जवाब 14 मई को लोकायुक्त के सामने प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के बाद खुलासा होने की संभावना लगाई जा रही है।

शिकायत में किन बिंदुओं की हो रही जांच: सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आईसीटी लैब खरीदी मामले पर ऐसे स्कूलों में स्मार्ट क्लास कंप्यूटर टीवी लगवाया गया जहां लाइट कनेक्शन तक नहीं है वहीं कुछ ऐसे स्कूल है जहां पहले से ही स्मार्ट क्लास का संचालन किया जा रहा है वहीं पर दोबारा स्मार्ट क्लास के नाम पर खेल कर दिया गया मामले की जानकारी मीडिया को लगने पर स्मार्ट क्लास सामग्री को उस स्कूल से तार और चीजों को उखाड़ ले जाकर दूसरी जगह पर लगाया गया है। आपको बता दे पूरे खेल में स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से खरीदी को अंजाम दिया गया लेकिन भुगतान खुद जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मरपाची के द्वारा किया गया इस तरह 31 लाख के अमाउंट को टुकड़ों में बताकर मध्य प्रदेश भंडार क्रय अधिनियम उपार्जन अधिनियम को किनारे करते हुए अपने मनचाहे फर्म से लाखों की खरीदी को अंजाम दिया गया जबकि एक साथ इतने बड़े अमाउंट के भुगतान बिना ओपन टेंडर के नहीं किया जाना चाहिए था। बहरहाल मामला बेहद गंभीर और बड़े भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है जिसमें कई जिम्मेदार अधिकारियों के हाथ की संभावना लगाई जा रही है इसीलिए इस जांच को 1 साल तक लंबित रखा गया।

सर्वे कर राशन हितग्राहियों की ई-केवायसी की जा रही है

छतरपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत संचालित लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली व्यवस्था के सुचारू क्रियान्वयन एवं स्मार्ट पीडीएस के सफल संचालन तथा वास्तविक पात्र हितग्राहियों की उनकी पात्रता अनुरूप खाद्यान्न सामग्री नियत समय सीमा में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी पूर्ण कराई जा रही है। इसी क्रम में सर्वे करते हुए वंचित हितग्राहियों की घुवारा और रामटौरिया में ई-केवायसी का कार्य किया गया। ई-केवायसी के दौरान पीओएस मशीन में 06 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, वृद्धजन या अन्य जिनका बायोमैट्रिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है। ऐसे हितग्राहियों के साथ-साथ ऐसे हितग्राही जो अपनी मूल उचित मूल्य दुकान के बाहर म.प्र. के किसी भी अन्य स्थान में निवासरत है या जो हितग्राही अपने कार्य की व्यस्तता के कारण उचित मूल्य दुकान या कैम्पों में उपस्थित नहीं हो सकते है। ऐसे भी हितग्राहियों की ई-केवायसी के लिये शासन द्वारा मेरा ई-केवायसी एप लॉन्च किया गया है। उक्त एप के माध्यम से उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं के अतिरिक्त पात्र हितग्राही भी स्वयं अपने एंड्रॉईड मोबाईल फोन के माध्यम से मेरा ई-केवायसी एप को डाउनलोड कर स्वयं भी एवं परिवार के सदस्यों का भी साथ ही अन्य पात्र हितग्राहियों का भी ई-केवायसी फेस एथेटिकेशन के माध्यम से कर सकते है। ई-केवायसी का कार्य उचित मूल्य दुकान की पीओएस मशीन के माध्यम से उचित मूल्य दुकान से सम्बद्ध ग्राम पंचायत के ग्रामों, वार्डों एवं शहरी दुकान के वार्डों में कैम्पों का आयोजन किया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद खरगोन जिला खरगोन (म.प्र.)

नगर दूरभाष (कोड-07282) 231333 फेक्स-21333-E-Mail: cmokhargone@gmail.com

निविदा सूचना क्रमांक / 434/MCK/ई-टेंडर/2025 खरगोन, दिनांक 25-04-25

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर कमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_420403_1 Dt.- 01.05.2025	पुरानी हाउसिंग बोर्ड कालोनी जैतापरु का सेप्टीक टैंक मशीनरी द्वारा खाली करावाये जाने हेतु	1. 7 दिवस 2. 4.75 लाख	1. 2,000/- 2. 47,50/-	14.05.2025

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(छाया जोशी) अध्यक्ष न.पा. परिषद खरगोन | (भोलू कर्मा) उपाध्यक्ष न.पा. परिषद खरगोन | (श्रीमति कविता अरविंद पाटीदार) सभापति स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन न.पा. परिषद खरगोन | (एम.आर.निगवाल) मुख्य नगर पालिका अधिकारी न.पा. परिषद खरगोन

पोको ने फ्लिपकार्ट की सासा लेले सेल के दौरान सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन्स पर दिये शानदार डिस्काउंट!

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप अपने स्मार्टफोन को अपग्रेड करना चाहते हैं, तो ये बिलकुल सही वक्त है। भारत का सबसे तेजी से बढ़ रहा ऑनलाइन स्मार्टफोन ब्रैंड पोको, सासा लेले सेल नाम से मशहूर फ्लिपकार्ट के बिग सेविंग डेज 2025 में अब तक की सबसे कम कीमतें लेकर आ रहा है। 2 मई से लेकर 8 मई तक पोको के सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन्स उनकी सबसे कम कीमतों पर पाइये। फ्लिपकार्ट प्लस और वीआईपी मेम्बर्स के लिये तो यह मौका 1 मई को दोपहर 12 बजे से ही शुरू हो रहा है। चाहे आपको प्रमुख फायरपावर चाहिये या ढेर सारी खूबियों से भरपूर 5जी फोन्स, यह सेल सभी के लिये है।

सैमसंग के फैब ग्रैब फेस्ट के साथ गर्मी को मात दें - गैजेट्स और उपकरणों पर भारी छूट!

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत का सबसे बड़ा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग एक बार फिर अपनी ब्लॉकबस्टर सेल- फैब ग्रैब फेस्ट के साथ गर्मी को मात देने के लिए तैयार है। 1 मई से शुरू होने वाली इस बहुप्रतीक्षित सेल में सैमसंग के आधुनिक उत्पादों की व्यापक रेंज पर शानदार, सीमित समय के लिए डील्स मिलेंगी। ये डील्स विशेष रूप से सैमसंग डाट काम, सैमसंग शॉप ऐप और सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। सेल की शुरुआत के साथ, ग्राहक सैमसंग गैलेक्सी एस, गैलेक्सी जेड, और गैलेक्सी ए सीरीज़ के चुनिंदा स्मार्टफोन मॉडलों पर 41 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। चाहे लेटेस्ट फोल्डेबल हों या पावरफुल कैमरा वाले मॉडल, हर टेक प्रेमी के लिए इस सेल में कुछ न कुछ जरूर मिलेगा। इसके अलावा, चुनिंदा गैलेक्सी टैबलेट, एक्सेसरीज़ और वियरेबल्स पर 50 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध होगी, जो आपके गैलेक्सी इकोसिस्टम को पूरा करने का सही समय है।इतना ही नहीं, टैबलेट जैसा शानदार एवं वर्सेटाइल अनुभव चाहने वाले यूजर्स गैलेक्सी बुक5 और बुक4 लैपटॉप के चुनिंदा मॉडलों पर 35 प्रतिशत तक की छूट के साथ गैलेक्सी एआई के माध्यम से अपने वर्कफ्लो को बेहतर बना सकते हैं।

आईआईटी मद्रास स्वयं प्लस दे रहा है निःशुल्क एआई कोर्स करने का अवसर

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने स्वयं प्लस के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर पाँच कोर्स शुरू किए हैं। ये निःशुल्क और ऑनलाइन हैं। 25 से 45 घंटों के ये कोर्स विद्यार्थियों, शिक्षकों और पहले से कार्यरत प्रोफेशनलों के लिए उपलब्ध हैं।इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य एआई सीखने का अवसर सर्व सुलभ करना है। इनमें आवेदन के लिए पहले से एआई का ज्ञान नहीं चाहिए इसलिए इच्छुक सभी व्यक्ति इनका लाभ ले सकते हैं।

माइक्रोफाइनेंस वर्कफोर्स को सशक्त और रूपांतरित करने के लिए एमएफआईएन ने लॉन्च किया ऑनलाइन सर्टिफिकेशन प्रोग्राम

मुंबई , एजेंसी। माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क (एमएफआईएन) ने एएससीइएनडी – शिक्षा और उन्नति कार्यक्रम इन माइक्रोफाइनेंस नामक एक ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कार्यक्रम लॉन्च किया। यह पहल भारत के माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में पेशेवर क्षमताओं के निर्माण, उत्तरदायी ऋण प्रणाली को बढ़ावा देने और उपभोक्ता संरक्षण को सशक्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। यह कार्यक्रम फील्ड ऑफिसर्स, ब्रांच मैनेजर्स और उभरते प्रोफेशनल्स के लिए डिज़ाइन किया गया है, और इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को वित्तीय समावेशन, नियामक अनुपालन, क्रेडिट मूल्यांकन, ग्राहक जुड़ाव, नैतिकता और डिजिटल परिवर्तन से संबंधित आवश्यक ज्ञान से लैस करना है।इस सर्टिफिकेशन कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. आलोक मिश्रा, सीईओ और निदेशक, एमएफआइएल; डॉ. निरूपम मेह्रोत्रा, निदेशक, बैंकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट और श्री राममूर्ति कृष्णन, प्रेसिडेंट और सीईओ, एनएसईआइटी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर श्री मनोज कुमार नाम्बियार, चेयरमैन, एमएफआइएल और प्रबंध निदेशक, आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड; श्री विनीत चट्टी, उपाध्यक्ष, एमएफआइएल और प्रबंध निदेशक, स्वतंत्रा माइक्रोफिन प्रा. लि.; और श्री ज्ञान मोहन, निदेशक और सीईओ, आदि चित्रगुप्त फाइनेंस लिमिटेड भी उपस्थित थे। उद्घाटन के दौरान डॉ. आलोक मिश्रा ने कहा, फील्ड ऑफिसर माइक्रोफाइनेंस उद्योग की रीढ़ हैं, जो वंचित समुदायों को औपचारिक वित्तीय सेवाओं से जोड़ते हैं। यह सर्टिफिकेशन कार्यक्रम उनके अहम योगदान को मान्यता देने का एक प्रयास है, जो उन्हें मार्गदर्शन, ज्ञान और नैतिक ढांचे प्रदान कर बेहतर सेवा और उत्तरदायी वित्त की दिशा में सक्षम बनाएगा।

फोनपे ने पेश किया अपना मेड इन इंडिया स्मार्ट स्पीकर

मुंबई ,एजेंसी। फोनपे ने अपने नेक्स्ट जेन स्मार्टस्पीकर को लॉन्च करने की घोषणा की, जो मर्चेंट्स की बढ़ती व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक नेक्स्ट जेन वर्शन है। लेटेस्ट अपग्रेड में अपने पिछले वर्शन के लोकप्रिय फीचर को बरकरार रखते हुए महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। लॉन्च पर बोलते हुए, फोनपे में मर्चेंट बिजनेस के चीफ बिज़नेस अफसर, युवराज सिंह शेखावत ने कहा, कि हम अपने भारत में बने नेक्स्ट जेन स्मार्टस्पीकर्स को पेश करने के लिए उत्साहित हैं, जो हैं। इन डिवाइस का स्वदेशी रूप से निर्माण हमारे मर्चेंट की विशिष्ट फीचर और प्राथमिकताओं के लिए प्रोडक्ट को अपनाने में अधिक लचीलापन देता है। इन स्मार्टस्पीकर्स के साथ, हम न केवल देश भर में मर्चेंट्स के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रहे हैं, विशेष रूप से इससे अछूते रहने वाले क्षेत्रों में,, बल्कि स्वदेशी नई पद्धति को भी बढ़ावा दे रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भारतीय निर्माता देश के डिजिटल परिवर्तन में अभिन्न भागीदार बनें। फोनपे ने 2022 में अपना स्मार्टस्पीकर लॉन्च किया, जो ऑफ़लाइन मर्चेंट को वॉयस नोटिफिकेशन के फीचर वाला एक विश्वसनीय और सुविधाजनक पेमेंट समाधान प्रदान करता है। 21 भाषाओं में उपलब्ध स्मार्टस्पीकर में बड़े भारतीय अभिनेताओं का सेलिब्रिटी वॉयस फीचर भी शामिल है। सफल पेमेंट के लिए, रियल टाइम ऑडियो अलर्ट से मर्चेंट की स्क्रू या ऐप नोटिफिकेशन को चेक करने की निर्भरता कम हो जाती है, जिससे वे पेमेंट अपडेट के लिए अपने फोन को लगातार चेक बिना किए अपने व्यवसाय पर ध्यान दे सकते है।

एयर इंडिया के महाराजा क्लब को फ्रेडी अवार्ड्स 2025 में वैश्विक मान्यता मिली

शिकागो, इलिनोइस , एजेंसी। भारत की अग्रणी वैश्विक एयरलाइन एयर इंडिया ने अपने महाराजा क्लब लॉयल्टी प्रोग्राम के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त की है, जिसे शिकागो, इलिनोइस में आयोजित प्रतिष्ठित फ्रेडी अवार्ड्स में एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका में वर्ष 2025 का 'अप एंड कमिंग प्रोग्राम' चुना गया है। यह सम्मान एयर इंडिया के महाराजा क्लब के हाल ही में विश्व स्तरीय लॉयल्टी प्रोग्राम में हुए परिवर्तन का प्रमाण है, जो अपने सदस्यों के लिए अधिक सुविधा, अधिक पुरस्कार और वैश्विक मान्यता को प्राथमिकता देता है।एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा, विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित फ्रेडी अवार्ड्स 2025 में जीतना एयर इंडिया के लिए एक अविश्वसनीय सम्मान है। दुनिया भर में लगातार उड़ान भरने वाले लाखों यात्रियों के वोटों के आधार पर यह मान्यता प्राप्त करना अविश्वसनीय रूप से उत्साहजनक है और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह हमें सीमाओं को आगे बढ़ाने, बेजोड़ मूल्य प्रदान करने और एक ऐसा लॉयल्टी प्रोग्राम बनाने के लिए प्रेरित करता है जो दुनिया भर के यात्रियों के साथ प्रतिध्वनित हो।1988 में शुरू किए गए फ्रेडी अवार्ड्स, ट्रैवल लॉयल्टी कार्यक्रमों के लिए एक अत्यधिक सम्मानित वैश्विक बेंचमार्क हैं, जो ट्रैवल लॉयल्टी उद्योग में सबसे प्रतिष्ठित सदस्य-जनित पुरस्कार बनने के लिए कद और महत्व में बढ़े हैं। आज, दुनिया भर में 4.2 मिलियन से अधिक मतदाता सालाना फ्रेडी अवार्ड के लिए मतदान करते हैं, जिसमें हिंदी सहित 13 भाषाओं में मतदान उपलब्ध है।टाटा समूह और प्रबंधन के एयर इंडिया के नए स्वामित्व के तहत अपने पुनरुद्धार के बाद से, महाराजा क्लब में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। अप्रैल 2024 में पुनः डिज़ाइन किया गया, लॉयल्टी प्रोग्राम मील-आधारित पॉइंट्स के विरासत मॉडल से हटकर एक अधिक न्यायसंगत, अधिक न्यायसंगत व्यय-आधारित दृष्टिकोण पर चला गया। सरलीकृत संरचना, ग्राहक-अनुकूल सुविधाओं की मेजबानी, पुनर्नामित टियर और एक अद्यतन पहचान के साथ, कार्यक्रम ने पिछले एक साल में लाखों नए सदस्य जोड़े हैं।

रोटरी मंडल अध्यक्ष मलिक ने किया अर्शी कुरैशी और अवसरकर दम्पति का सम्मान

भोपाल। पर्यावरण एवं शिक्षा पर कार्य कर रही भोपाल की सामाजिक संस्था हैल्पबॉक्स फॉउण्डेशन का रोटरी अंतर्राष्ट्रीय मंडल 3040 के अध्यक्ष रोटेरियन अनीश मलिक द्वारा सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

रो. मलिक रविवार को रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल की अधिकारिक यात्रा पर थे। क्लब द्वारा संचालित अपने सेवा प्रकल्पों के अतिरिक्त सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही संस्थाओं को भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसी कड़ी में उसने भोपाल की सामाजिक संस्था हैल्पबॉक्स फाउण्डेशन के संचालक द्वय कविता एवं सुनील अवसरकर का श्रीफल एवं शॉल से स्वागत किया। इसी तरह भोपाल स्टेशन के पास हिनौतिया इलाके में घुमक्कड़ समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्रदान कर मुख्य धारा में लाने का उपक्रम कर रही अर्शी कुरैशी का भी स्मृति चिन्ह एवं उपहार देकर अभिनंदन किया गया। यह कार्यक्रम रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के अध्यक्ष रो. मनोज झा एवं मानद सचिव रो. श्रीकांत फाटक के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री मलिक की जीवन संगिनी रो. सिमी मलिक, रोटरी मंडल 3040 के सहायक मंडल अध्यक्ष रो. डी.सी. वर्मा, तथा क्लब के अन्य पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन रो.ऋतुराज सिंह परमार एवं रो. अल्पना मिश्रा ने किया।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश; मरीजों को सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा क्षेत्र में अहम फैसला सुनाते हुए डॉक्टरों को मरीजों के लिए केवल जेनेरिक दवाएं लिखने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि डॉक्टर किसी खास कंपनी की ब्रांडेड दवाएं न लिखें, जिससे महंगी दवाओं के नाम पर मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। यह निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दवा कंपनियों से जुड़ी एक याचिका की सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनियां डॉक्टरों को मुनाफे के लिए प्रभावित करती हैं। कोर्ट ने माना कि अगर पूरे देश में यह आदेश लागू होता है तो स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और सुधार की दिशा में यह एक बड़ा कदम साबित होगा। जस्टिस संदीप मेहता, विक्रम नाथ और संजय करोल की तीन सदस्यीय पीठ ने यह निर्देश जारी किया। पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि डॉक्टरों पर अक्सर दवा कंपनियों से रिश्वत लेने और महंगी ब्रांडेड दवाएं लिखने के आरोप लगते हैं। लेकिन जेनेरिक दवाएं लिखने से न सिर्फ मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि ऐसे आरोपों से भी डॉक्टरों को बचाया जा सकेगा। गौरतलब है कि इससे पहले राजस्थान हाईकोर्ट ने भी इसी तरह का आदेश जारी किया था, जिससे राज्य में चिकित्सा सेवाओं को अधिक सुलभ और किफायती बनाया जा सके।

सालाना आधार पर स्टार्टअप क्षेत्र में 32 फीसदी अधिक भर्तियां हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार्टअप क्षेत्र में सालाना आधार पर 32 फीसदी अधिक भर्तियां हुई हैं। टियर-2 शहरों में भी मजबूत विस्तार हो रहा है। अलग-अलग क्षेत्रों में मिल रहीं नौकरियों में आईटी सर्विस सबसे आगे है। मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और एजुकेशन/ई-लर्निंग जैसे सेक्टर में कमी आई है। स्टार्टअप में भर्तियों के मामले में इंदौर, लखनऊ और कोयंबटूर जैसे शहर सबसे आगे हैं।

देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत ज्यादा भर्ती हुई है। पिछले तीन महीनों में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।फाउंड-इट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का संगठित रोजगार बाजार मजबूत बना हुआ है, जिसमें सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक साल में नए स्टार्टअप पंजीकरण में 22 प्रतिशत की वृद्धि से भर्ती की यह गति और अधिक मजबूत हुई है। स्टार्टअप के विस्तार के तरीके में एक बड़ा बदलाव आया है। विकास अब केवल प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। टियर-2 शहरों में भी मजबूत विस्तार हो रहा है। अनुभवी पेशेवरों की भर्ती पर जोर बढ़ रहा है, जो दीर्घकालिक स्थिरता पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। स्टार्टअप भर्ती में 32 फीसदी के साथ आईटी सर्विस सबसे आगे है। 2024 में 23 प्रतिशत था। हेल्थकेयर में स्टार्टअप भर्ती 6 प्रतिशत से बढ़कर 9 प्रतिशत हो गया है।

मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और एजुकेशन/ई-लर्निंग जैसे सेक्टर में कमी आई है। टियर-2 शहर तेजी से प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहे हैं, जहां अप्रैल, 2024 में उनकी नौकरी की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल, 2025 में 31 प्रतिशत हो गई है।

सीएमएफ फ़ोन 2 प्रो की ओपन सेल्स शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। लंदन स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग के सब-ब्रांड सीएमएफ ने आज फ़्लिपकार्ट, फ़्लिपकार्ट मिनट्स, विजय सेल्स, क्रोमा और भारत के सभी प्रमुख रिटेल स्टोरों पर सीएमएफ फ़ोन 2 प्रो के ओपन सेल की घोषणा की है, जो 5 मई दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। पहले दिन एक स्पेशल इंट्रोडक्टरी ऑफ़र के रूप में, फ़ोन 2 प्रो कम से कम 16,999 रुपये (सभी ऑफ़र सहित) में उपलब्ध होगा। अपने सेगमेंट में सबसे बेहतरीन थ्री-कैमरा सिस्टम, शानदार ब्राइट डिस्प्ले और प्रीमियम डिज़ाइन के साथ सीएमएफ बाय नथिंग ने 28 अप्रैल, 2025 को फ़ोन 2 प्रो को वैश्विक स्तर पर लॉन्च किया। सीएमएफ फ़ोन 2 प्रो एक बेहतरीन डेली स्मार्टफ़ोन है। नथिंग द्वारा डिज़ाइन किया गया अब तक का सबसे पतला और हल्का स्मार्टफ़ोन।

7.8 मिलीमीटर की मोटाई और मात्र 185 ग्राम वज़न के साथ, सीएमएफ फ़ोन 2 प्रो लगभग भारहीन है - सीएमएफ फ़ोन 1 से 5 प्रतिशत पतला। इसकी खूबसूरत बॉडी में है एल्युमिनियम कैमरा सराउंड - जो पहली पीढ़ी के डिज़ाइन से विकसित हुआ है। इसमें स्टेनलेस स्टील के स्क्रू हैं जो एक ऑथेंटिक नथिंग फ़ील देते हैं जो इसके पीछे की कला को उजागर करता है। साथ ही, आईपी 54 के साथ वॉटर ड्युरबिलिटी में वृद्धि हुई - सीएमएफ फोन 1 आईपी 52 था। सीएमएफ फ़ोन 2 प्रो में उन्नत थ्री कैमरा सिस्टम है, जिसमें 50 एमपी का मुख्य कैमरा है, जो अपने सेगमेंट में सबसे बड़ा सेंसर है और सीएमएफ फ़ोन 1 की तुलना में 64 प्रतिशत ज़्यादा रोशनी कैप्चर करता है। दूर के दृश्यों के लिए, सेगमेंट में पहला 50 एमपी टेलीफ़ोटो लेंस 23 ऑप्टिकल ज़ूम और 203 तक अल्ट्रा ज़ूम प्रदान करता है।

भोपाल और स्मोलेंस्क के बीच सिस्टर सिटी समझौते की ऐतिहासिक पहल

नई दिल्ली , एजेंसी। फेडरेशन कार्यालय में प्रेस वार्ता में फेडरेशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि फेडरेशन ने मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल और रूस के स्मोलेंस्क शहर के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिस्टर सिटी समझौते पर हस्ताक्षर की दिशा में एक बड़ी पहल की है। यह गौरव का विषय है कि स्मोलेंस्क के मेयर द्वारा भोपाल की महापौर और एक प्रतिनिधिमंडल को रूस में विजय दिवस समारोह में राज्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। यह आमंत्रण दोनों शहरों के बीच बढ़ते सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक है। हर वर्ष 9 मई को विजय दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य परेड आयोजित की जाती है, जो मॉस्को से लेकर अन्य प्रमुख राज्यों की राजधानी में भव्य आयोजन कर मनाई जाती है। यह परेड रूस की second world war में ऐतिहासिक विजय और शौर्य को दर्शाती है। इस वर्ष इसमें भोपाल की महापौर की उपस्थिति हमारे शहर के लिए गर्व का विषय है। इस यात्रा के दौरान भोपाल और स्मोलेंस्क के बीच सिस्टर सिटी% समझौते पर हस्ताक्षर होने है। यह समझौता केवल दो नगर निगमों के बीच नहीं, बल्कि दो संस्कृतियों, दो सभ्यताओं और दो राष्ट्रों के बीच गहरे जन-संपर्क की दिशा में एक सशक्त कदम होगा।

रिजर्व बैंक इस साल ब्याज दर में कर सकता है बड़ी कटौती, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्त वर्ष 2025-26 में ब्याज दरों में बड़ी कटौती कर सकता है। देश के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई इस साल कुल मिलाकर 125 से 150 बेसिस प्वाइंट्स यानी 1.25 प्रतिशत से 1.5 प्रतिशत तक की कटौती कर सकता है। इसकी वजह है कि देश में महंगाई दर लगातार कम हो रही है और अब यह काबू में आ चुकी है। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि रिजर्व बैंक को एक बार में बड़ा कदम उठाना चाहिए। इसके लिए 50 बेसिस प्वाइंट्स (0.50 प्रतिशत) की बड़ी कटौती ज्यादा असरदार होगी, बजाय इसके कि धीरे-धीरे 25 बेसिस प्वाइंट्स (0.25 प्रतिशत) की छोटी-छोटी कटौतियां की जाएं।

महंगाई में जबरदस्त गिरावट

मार्च 2025 में देश में खुदरा महंगाई दर यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) महज 3.34 प्रतिशत रही। यह पिछले 67 महीनों में सबसे कम है। खासकर खाने-पीने की चीजों की कीमतों में भारी गिरावट आई है, जिससे महंगाई थमी है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में महंगाई दर औसतन 4 प्रतिशत से भी कम रह सकती है। और साल की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून 2025 में यह 3 प्रतिशत से भी नीचे आ सकती है। यह स्थिति रिजर्व बैंक के लिए ब्याज दरें घटाने का अच्छा मौका देती है। जब महंगाई कम होती है तो कर्ज सस्ता करना आसान हो जाता है, जिससे अर्थव्यवस्था में रफ्तार आती है।

सोनालीका ने अप्रैल 2025 में कुल 11,962 ट्रैक्टर बिक्री के साथ वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत की

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्त वर्ष 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए अप्रैल 2025 में कुल 11,962 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की है जो ब्रांड की लगातार बढ़ती किसान-केंद्रित प्रतिबद्धता को दर्शाता है। किसानों की क्षेत्रीय जरूरतों के अनुसार अपने अत्याधुनिक ट्रैक्टरों को अनुकूलित करके, सोनालीका उन्नत समाधान पेश करने में आगे रहा है जो पूरे भारत में किसानों के लिए लाभ उपलब्ध करा रहा है। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने पहले ही अपना बहुप्रतीक्षित सोनालीका तूफानी धमाका ऑफर लॉन्च कर दिया है, जो देश भर के किसानों के लिए अविश्वसनीय कीमतों पर सोनालीका हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर घर लाने का एक सुनहरा अवसर है। खरीफ फसल उत्पादन में साल-दर-साल वृद्धि और रबी की बुआई के मज़बूत अनुमान के साथ-साथ स्वस्थ मानसून के पूर्वानुमान से भारतीय कृषक समुदाय में लगातार उत्साह बना हुआ है। कृषि समृद्धि को बढ़ावा देने हेतु हर सोनालीका हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर किसानों की दक्षता को अधिकतम करने और हर क्षेत्र में लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से बनाये गए हैं। कंपनी अपनी दुनिया की नंबर 1 एकीकृत ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट द्वारा हर 2 मिनट में एक उच्च गुणवत्ता वाला ट्रैक्टर बनाती है और भारतीय किसानों के लिए उन्नत समाधान प्रदान करती है।

अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, हमने अप्रैल 2025 में कुल 11,962 ट्रैक्टर बिक्री के साथ अपने वित्त वर्ष 2026 की यात्रा की सकारात्मक शुरुआत की है, जिसने आने वाले प्रभावशाली वर्ष के लिए दिशा तैयार कर दी है। हमारे हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टरों को किसानों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए रणनीतिक रूप से विकसित और अनुकूलित लागत पर तैयार किया गया है जिससे हर खेत में हमारी किसान-केंद्रित विचारधारा द्वारा समृद्धि सुनिश्चित हो। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ट्रैक्टर देने हेतु कभी कोई समझौता नहीं नीति का पालन किया है जो हितधारकों के हित को अधिकतम करता है जो आने वाले वर्ष में नई पहलों के साथ हमारे ग्राहकों के लिए खुशी सुनिश्चित करेगा।

सर्वसम्मति से अध्यक्ष बने बालकृष्ण साहू

अमरवाड़ा। श्री राम मन्दिर में साहू समाज की बैठक में समाज हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। समाज की सर्वसम्मति से पुनः समाज अध्यक्ष बालकृष्ण साहू को बनाया गया जो निरंतर समाज हित में कार्य करते आ रहे हैं साथ ही नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमे संरक्षक पहलाद साहू मोहन साहू गणेश साहू पंडा तुलसीराम साहू सुमेरचंद साहू उपाध्यक्ष पद में गोपाल साहू संतोष साहू विनोद साहू इंडिया गणेश साहू राजेंद्र साहू महामंत्री पद में सुरेश साहू सुनील साहू एवं मीडिया प्रभारी मोहित साहू शिवनंदन साहू समाज सचिव दिनेश साहू सह सचिव नितेश साहू कोषाध्यक्ष मदन साहू सुखदयाल साहू मंत्री प्रदीप पप्पू साहू निक्की साहू को नियुक्त किया गया समाज के लोगों ने नई कार्यकारिणी से सामाजिक विकास और कल्याण के कार्यों की उम्मीद जताई है। समाज के अध्यक्ष ने बताया कि समाज की सर्व सहमति से पुनः अध्यक्ष पद का दायित्व सोपा गया है जो मैं निरंतर समाज हित के लिए करूंगा समिति की सहमति से आगामी मां कर्मा जयंती समारोह में विवाह का आयोजन भी किया जाएगा नई टीम समाज के उत्थान के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करेगी।

किसानों को सिंचाई हेतु पानी मिले: किसान कांग्रेस

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के अंतर्गम माचागोरा जलाशय से किसानों को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराये जाने के लिये पूर्व मुख्यमंत्री मा. श्री कमलनाथ जी के शासनकाल में माइक्रो-1 एवं माइक्रो-2 योजना को स्वीकृत प्रदान की गयी थी। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चौधरी पुष्पेन्द्र सिंह ने बताया कि उक्त योजना से जिले के सैकड़ों ग्रामों के किसानो को सिंचाई हेतु पानी दिया जाना था। योजना का कार्य 2025 तक पूर्ण किया जाना था। लेकिन योजना का कार्य अभी अधूरा पड़ा हुआ है, योजना को लागू करने का प्रमुख उद्देश्य किसानों को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराया जाना था। योजना के अधूरे रहने से किसानों को सिंचाई हेतु पानी नहीं मिल पा रहा है। किसानों के हित में माइक्रो-1 एवं माइक्रो-2 सिंचाई योजना का कार्य शीघ्र करवाकर किसानों को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध करवाये जाने हेतु मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है।

भाजपा ने डाला टैक्स का बोझ, कांग्रेस जनसमर्थन के साथ कर रही विरोध

छिन्दवाड़ा। भाजपा सरकार ने जनता पर बढ़े हुए टैक्स का बोझ डाला है जिसका विरोध कांग्रेस जनसमर्थन के साथ लगातार कर रही है। हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से जनता के बीच पहुंच रही कांग्रेस को भाजपा के विरोध में भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा। लोग खुले मन व दिल से कह रहे हैं।शहर कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस पार्षद दल के द्वारा नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 24 सोनपुर शिव मंदिर के पास से हस्ताक्षर अभियान प्रारंभ हुआ। कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने घर-घर दस्तक देकर हस्ताक्षर लेकर भाजपा के द्वारा बढ़ाए गए जल टैक्स, सम्पत्ति टैक्स व स्वच्छता टैक्स में की गई भारी वृद्धि से अवगत कराया।

कोल इंडिया सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ समिति की बैठक कल

छिन्दवाड़ा। कोल इंडिया सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ समिति की मासिक बैठक दिनांक 07.05.2025 दिन बुधवार को परशुराम वाटिका के सामने , शुक्ला ग्राउण्ड के पास ,छिन्दवाड़ा में समय दोपहर 12 बजे से शाखा के अध्यक्ष पी.आर.डेहरिया की अध्यक्षता में रखी गयी है। जिसमें बालगोविन्द सूर्यवंशी, ओ.पी.मेंहगिया, शत्रुधन साहू, राजेश गौतम,रामभाऊ पवार, प्रभाकर कोल्हे, सुनील कुमार शर्मा, खुशीलाल खुराना, भानू पाल,श्रीमति सरला साहू शाखा पदाधिकारियों ने छिन्दवाड़ा जिले के कोयला के समस्त पेंशनरों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सभा को सफल बनायें।

आज आयेंगे नकुलनाथ
संविधान बचाओ रैली में होंगे सम्मिलित

छिन्दवाड़ा। जन-जन के लोकप्रिय नेता जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ का आज मंगलवार को छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। आगमन पश्चात वे विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे साथ ही छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिला कांग्रेस पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। तीन दिवसीय दौरे पर छिन्दवाड़ा आगमन उपरांत नकुलनाथ संविधान बचाओ रैली में सम्मिलित होने के साथ ही हर्रई के धनौरा में क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी की आयोजित बैठक में उपस्थित रहेंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार दिनांक 6 मई 2025 दिन मंगलवार को दोपहर 11.45 बजे माननीय नकुलनाथ जी का विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर आगमन होगा। आगमन उपरांत वे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।दिनांक 07 मई 2025 दिन बुधवार को नकुलनाथ का हेलीकाप्टर द्वारा प्रातः 10.30 बजे परासिया आगमन होगा, जहां वे अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। तदोपरांत दोपहर 12 बजे हर्रई के धनौरा पहुंचकर क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी की आयोजित बैठक में उपस्थित होंगे। दोपहर 02 बजे श्री नाथ का शिकारपुर आगमन होगा। दोपहर 3.50 बजे हेलीकाप्टर द्वारा बिछुआ ब्लॉक के ग्राम करेर निवासी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रीतम पटेल के निवास पहुंचेंगे। तदोपरांत अपराह्न 04.30 बजे हेलीकाप्टर द्वारा मोहखेड़ ब्लॉक के ग्राम देवगढ़ पहुंचकर, कांग्रेस नेता बाजीलाल कुमरे के सुपुत्र के विवाह कार्यकम में सम्मिलित होंगे। सांय 06 बजे नकुलनाथ का शिकारपुर आगमन होगा।।

छात्रों ने मेहंदी लगाकर जल संरक्षण का दिया संदेश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक ी अखिलेश के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक तामिया संजय बामने के कुशल मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय में अध्यनरत बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के छात्रों द्वारा मेहंदी लगाकर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। पुरानी जल संरचनाएं जैसे कुआं, नदी, तालाब, पोखर, बावड़ी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन तथा नई जल संरचनाओं के निर्माण संबंधित कार्य कराए जा रहे हैं।

एमआरपी से अधिक दामों में मिल रही शराब

जब कोई विरोध करता है तो उससे बत्तामीजी करते हैं ठेकेदार के गुर्गे

छिंदवाड़ा। जिले में ठेकेदारों द्वारा एमआरपी से अधिक दामों में शराब दी जा रही है जिसपर न तो आबकारी और न ही पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है। हर ब्रांड की शराब में ठेकेदार 10 से 20 रूपए तक अधिक दाम ले रहे हैं। चौरई में ठेकेदार द्वारा एम.आर.पी. से 50 रूपए से अधिक लिये जा रहे हैं। शराब के शौकीनों ने बताया कि जब दुकानदारों से कहा जाता है कि बोतल में इतनी एमआरपी लिखी है इससे ज्यादा क्यों ले रहे हो तो धुतकार कहते चल हट यहां से और कहीं से ले ले। एमआरपी पर चल रही खुलेआम दादागिरी पर शराब के शौकीनों ने कार्रवाई की मांग आबकारी विभाग से की है।

पुलिस ने पकड़ा अवैध शराब से भरा वाहन

बिछुआ क्षेत्र के जैतपुर के ग्रामिणों ने पुलिस को सूचना देकर वाहन में अवैध शराब की तस्करी कर रहे वाहन को जब्त करवाया। ग्रामीणों ने फोन पर पुलिस को सूचना दी कि शराब से भरी बुलेरो एम पी 28बी डी 3352 को अवैध शराब ले जाते पकड़ा है।जिसमें वाहन चालक दौलत डोंगरगांव निवासी को खमारपानी चौकी पुलिस के द्वारा तत्काल पकड़कर पुछताछ शुरू की गई। खमारपानी चौकी प्रभारी रविन्द्र सिंह ने बताया कि मौके से ड्रॉयवर दौलत फरार हो गया था। जिसको पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार कर मौके से बुलेरो में अवैध शराब बरामद कि गई। पकड़ाई गई अवैध शराब में पावर बियर दस पेटी 81.9ली पावर बियर कैन, 60.0ली जिप्सी, 39.6ली ओसी, 19.44ली मेगडावल रम, 2.88ली मेगडावल विस्की 3.ली टोटल 207.96ली शराब जब्त कर 34/2का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। मौके पर थाना प्रभारी मोहन मर्सकोले अपने दल-बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर मामले को गंभीरता से जांच करने एवं अवैध शराब तस्करों की धर-पकड़ करने के निर्देश दिए। चौकी प्रभारी रविन्द्र सिंह, ए,एस आई सय्याम , प्र, आरक्षक पंकज नागदेव ने त्वरित कार्यवाही की। पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। गुलाबी गैंग संगठन के द्वारा बिछुआ विकास खंड में अवैध शराब पर अंकुश लगाने के लिए पूर्व में ग्रामीणो का गठन किया गया था जिसमें सोमवार को खमारपानी चौकी के अंतर्गत जैतपुर में अवैध शराब से भरी बुलेरो को पकड़कर पुलिस को सूचना दी गई जिससे 21पेटी शराब पाई गई जिसमें पुलिस ने 34/2का मामला दर्ज कर जांच में लिया है कमांडर गुलाबी गैंग पूर्णिमा वर्मा ने खमारपानी पुलिस को दी बधाई ,,,कहा स्वस्थ और स्वच्छ समाज के लिए पुलिस का जनता के लिए मित्र होना जरूरी है ,,हमारा संगठन जनहित में पुलिस का साथ देगी ,हम आभार प्रकट करते हैं।

ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक हुए एनसीसी कैडेट

छिन्दवाड़ा। 02 मई से प्रारंभ हुये संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप (सीएसीटी) का 92वां कैंप 24 एमपी बटालियन एनसीसी छिंदवाड़ा के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल थॉमस ओमेन के निर्देशन में सिवनी, पांढुर्णा एवं छिंदवाड़ा जिले के 600 कैडेट कैंप में प्रशिक्षण ले रहे हैं। जिसमें आज यातायात पुलिस जिला छिंदवाड़ा के सहायक निरीक्षक श्री दिनेश सिंह बघेल एवं श्री रवि रंगारे (नायक) ने कैंप में आकर एनसीसी कैडेट को ट्रैफिक से संबंधित विभिन्न जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि सरकार की अभिनव योजना गुड सेमेरिटन जिसके अंतर्गत दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को यदि कोई अन्य व्यक्ति एक घंटे के अंदर 108 या 100 डायल में फोन करके या अस्पताल पहुंचाता है, तो उसे 5000 रूपये का इनाम दिया जाएगा और उसका नाम भी गुप्त रखा जाएगा। उन्होंने और जानकारी दी की ई-स्कूटी में लाइसेंस तो नहीं लगता, लेकिन अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनकर चलाएं, ट्रिपल सीट न चलाएं, अत्यधिक स्पीड में ना चलाएं, अपने परिवार में बताएं कि हेलमेट पहनना अनिवार्य है, सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें और भी ऐसी अन्य जानकारियां दी।

कमांडिंग ऑफिसर के निर्देशन में आज फ्रिडल क्राफ्ट एवं बैटल क्राफ्ट का अभ्यास कराया गया एवं कैडेट द्वारा बनाया जा रहा कार्टर गार्ड का निरीक्षण किया गया एवं सुधार के लिए दिशा निर्देश दिए गए। कैंप के दौरान 600 बच्चों के साथ-साथ सभी स्टाफ को स्वादिष्ट और लजीज भोजन एवं नाश्ता मिल रहा है या नहीं इसकी सतत निगरानी एडम ऑफिसर कर्नल विजय कुमार कर रहे हैं। कैंप एजूडेंट लेफ्टिनेंट माइक प्रकाश, फर्स्ट ऑफिसर मनोज शर्मा, सेकंड ऑफिसर नीतू कालभोर, लक्ष्मण पटले, राजेंद्र चौधरी, थर्ड ऑफिसर राकेश चतुर्वेदी, अभिजीत महोबे, धीरेंद्र चौहान, योगेश डोंगरे, दिनेश खापरे व विश्वेश्वर रंगारे ने अपने-अपने कार्य को संभाला है। कैंप के दौरान दो टाइम भोजन एवं दो टाइम नाश्ता रोज समय अनुसार 600 बच्चों को नियमित एवं व्यवस्थित रूप से प्रदाय किया जा रहा है।

समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक...
प्राकृतिक जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन करने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम कार्यालय, सीएम हाउस, विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं न्यायालयों से जुड़े लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में ग्रेडिंग सुधारने के निर्देश- सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज सभी शिकायतों का संतोषजनक और त्वरित निराकरण किया जाए। सभी बड़े विभाग विशेष प्रयास करें, और पिछली बार से ग्रेडिंग में सुधार करें। आपके कारण पूरे जिले का प्रदर्शन खराब होता है। उन्होंने भारिया हितग्राहियों के लिए संचालित आहार अनुदान योजना से संबंधित दोनों सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का 2 दिवस के अंदर निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश सहायक संचालक जनजातीय कार्य विभाग को दिए हैं। बैंक खाते संबंधी समस्या के कारण राशि उनके खाते में भी पहुंची है। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्ग की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर और पूरी संवेदनशीलता के साथ करें।

प्रकरण लंबित रखने पर संबंधित अधिकारी कर प्रति प्रकरण 5 सौ रुपए का लगेगा जुर्माना : कलेक्टर

बैतूल। समयावधि के प्रकरण अनावश्यक लंबित पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध 500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही ऐसे प्रकरण जो लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत चिन्हित सेवा से संबंधित है उनमें 5 हजार रुपए तक जुर्माना अधिरोपित किया जाएगा। यह निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर कार्यालय से जुड़े समयावधि प्रकरण में संबंधित डिप्टी कलेक्टर और जिला पंचायत के प्रकरण में संबंधित परियोजना अधिकारी पर भी जुर्माना लगाया जाएगा। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सख्त निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जनजातीय कार्य, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, जलसंसाधन, सामाजिक न्याय इत्यादि विभाग शिकायतों के निराकरण में विशेष ध्यान दे।

उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को उनकी विभागीय योजनाओं में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें। जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी जनपद सीईओ को अमृत सरोवर, खेत तालाब, सोखतापीट, कूप रिचार्ज इत्यादि जलसंरचनाओं के निर्माण में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को भी एफआरए प्लांट , ग्रीन हार्वेस्टिंग, पानी के अपव्यय को रोकने इत्यादि जल संरचनाओं के निर्माण शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सतत मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम गठित किया जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग को स्कूलों में रंगोली, पोस्टर, निबंध, इत्यादि जागरूकता की गतिविधियां सतत आयोजित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर अपने क्षेत्र में समग्र ईकेवाईसी के शेष लक्ष्य को पूर्ण कराएं। उन्होंने सभी जनपद सीईओ, सीएमओ को भी अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्य को आगामी शनिवार तक पूर्ण करने के निर्देश दिए

ई ऑफिस चालू नहीं करने पर आबकारी अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में विभागवार ई ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन की भी समीक्षा कर सभी विभागों को ई ऑफिस का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने आबकारी विभाग को ई ऑफिस चालू नहीं करने पर जिला आबकारी अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

सड़क दुर्घटना के प्रकरणों का त्वरित निराकरण कराएं : सड़क दुर्घटना के ज्ञात और अज्ञात प्रकरणों की समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी एसडीएम को सभी प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संवेदनशील सड़कों पर सुरक्षा के सभी आवश्यक उपाय किए जाएं। सड़क दुर्घटना में घायलों को त्वरित स्वास्थ्य लाभ मिले। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें पीएम एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराकर उन्हें त्वरित उपचार उपलब्ध कराएं। जनसामान्य के प्रति अपना व्यवहार उत्तम रखें, उनकी समस्याओं का समाधान करे।

सावलमेंढा सामूहिक विवाह सम्मेलन में 739 जोड़े वैवाहिक बधंन में बंधे

जनपद सीईओ एसडीएम साहब ने संभाली कार्यक्रम की जिम्मेदारी

बैतूल। सावलमेंढा में 5 मई को आयोजित हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में 739 जोड़ों ने सात फेरे लेकर जीवन भर साथ निभाने का संकल्प लिया। इस आयोजन में कुल 745 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिनमें 6 मुस्लिम जोड़ों ने अपने धार्मिक रीति-रिवाजों से निकाह किया। हर धर्म के जोड़ों की शादी उनकी परंपराओं के अनुसार कराई गई। जिससे यह सम्मेलन सामाजिक समरसता और धार्मिक सौहार्द की मिसाल बन गया। कार्यक्रम की जिम्मेदारी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी देवेंद्र दीक्षित, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शैलेंद्र हनोतिया ने के रखी थी। दोनों अधिकारी देर रात तक विवाह स्थल पर मौजूद रहे। हर व्यवस्था को खुद जाकर देखा दूल्हा-दुल्हन की बैठने की व्यवस्था से लेकर भोजन मंच और विवाह मंडपों तक हर पहलू पर बारीकी से निगरानी रखी गई। जब आमतौर पर अफसर सिर्फ मंच पर नजर आते है। तब सावलमेंढा में देवेंद्र दीक्षित और शैलेंद्र हनोतिया बारिश में भीगते हुए भी जमीनी स्तर पर सक्रिय दिखे। कार्यक्रम में विधायक महेंद्र सिंह चौहान भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार राजा ठाकुर, जनपद पंचायत अध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष,भाजपा के सभी मंडल अध्यक्ष एवं अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में सभी विभागों की समन्वित भूमिका रही। यह सामूहिक विवाह सम्मेलन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संबल बना, समाज में एक सकारात्मक संदेश भी गया। कि सभी धर्म जाति और वर्ग के लोग एक मंच पर आकर सामाजिक परंपराओं को मजबूती दे सकते हैं। जरूरतमंद बेटियों के लिए राहत बनी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना उल्लेखनीय है। कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत पात्र कन्याओं को उनके विवाह के समय कुल 55 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। जिसमें 49 हजार रुपये का चेक सीधे कन्या के नाम से दिया जाता है। ताकि वह अपने नए जीवन की शुरुआत सशक्त रूप से कर सके। जबकि 6 हजार रुपये विवाह समारोह के आयोजन के लिए दिए जाते हैं। इस योजना का लाभ वही परिवार उठा सकते है। जो मध्य प्रदेश के मूल निवासी हो जिनकी कन्या की उम्र कम से कम 18 वर्ष और वर की उम्र 21 वर्ष हो। योजना का बेटियों को आत्मनिर्भर बनाना है। जिसका क्रियान्वयन सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा किया जाता है।

किसानों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह से मुखर है कांग्रेस

छिन्दवाड़ा। बिजली, पानी, खाद व बीज की आपूर्ति व मूल्यवृद्धि से त्रस्त किसानों के हक में कांग्रेस लगातार भाजपा सरकार को घेर रही है। अन्नदाता की समस्याओं के निवारण हेतु कांग्रेस पूरी तरह मुखर है। पार्टी के नेता भाजपा सरकार पर लगातार प्रहार कर उसे घेर रहे हैं तो वहीं संविधान की रक्षा के लिए भी किसानों को एकजुट कर संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष हेतु जनमानस को तैयार किया जा रहा है।

छिन्दवाड़ा ग्रामीण के ग्राम उमरहर में क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी उभेगांव व कोटलबर्री की सामूहिक बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में कांग्रेस के वक्ताओं ने सम्बोधित करते हुए कहा कि 8 मई को माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी की उपस्थिति में आयोजित होने वाली संविधान बचाओ रैली में निगम ग्रामीण क्षेत्र के सर्वाधिक लोग शामिल होकर संविधान की सुरक्षा के लिए अपना सम्पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे साथ ही भाजपा जिस तरह से संविधान को बदलने का प्रयास कर रही है उसे रोकने में मदद करेंगे। आयोजित बैठक में कहा कि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी की पंद्रह माह की सरकार में जिले के किसानों को भरपूर बिजली, पानी व खाद, बीज मिला। किसानों को कभी परेशान नहीं होना पड़ा। पर्याप्त मात्रा में उचित मूल्य पर आपूर्ति मिली। वर्तमान में भाजपा की सरकार किसानों की स्थिति को जाने बैगर ही मनमाने बिजली के बिल थोप रही है। इतना ही नहीं माचागोराश जलाशय से सिवनी जिले को पानी दिया जा रहा जिससे जिले के किसानों की फसलें सूख रही।

शादी की खुशियां, मातम में बदली

यहां निकली बारात और वहां दूल्हे के घर में लग गई भीषण आग

अमरवाड़ा। विधानसभा के बटकाखापा थाना अंतर्गत ग्राम चौरासी में जहां पूरा परिवार शादी विवाह की खुशियां मनाने के लिए लगा हुआ था घर के सभी लोग बरात लेकर निकल चुके थे कि यहां उनके घर में अज्ञात कारण की वजह से भीषण आग लग गई जिसके कारण घर का पूरा गृहस्ती का सामान जेवर टू व्हीलर बाइक अनाज सभी जलकर राख हो गए इस घटना के बाद लगभग लाखों रुपए की नुकसानी हुई है ग्राम चौरासी का रहने वाला फाग लाल परतेती अपने बेटे मनोज की बारात लेकर ग्राम पीपरडार लेकर अपने घर से रविवार की रात्रि 9-00 बजे निकले थे और घर पर अज्ञात कारण की वजह से भीषण आग लग गई जिसकी सूचना बरतिया और परिजनों को दी गई जब तक बारात जब तक बारात लौट कर आती तब तक पूरा सामान जलकर राख हो गया था मौके पर आसपास के ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया

कर्ज लेकर कर रहा था बेटे की शादी

इस घटना के बाद पीड़ित परिवार के फाग लाल ने बताया कि उसने कर्ज लेकर बेटे की शादी की थी लेकिन अब कुछ नहीं बचा घर की पूरी छत जल गई और संपूर्ण सामग्री भी जल गई

7-8 मई को छिंदवाड़ा दौरे पर रहेंगे मंत्री प्रहलाद पटेल करेंगे नदी उदगम स्थलों का पूजन

छिन्दवाड़ा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल 7 मई को जिला छिंदवाड़ा के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे दोपहर 2 बजे तामिया रेस्ट हाउस पहुंचेंगे और अल्प विश्राम के पश्चात शाम 4 बजे जनपद पंचायत जुन्नारदेव के ग्राम इकलासामी (भालेआम) स्थित कन्हान नदी के उद्गम स्थल का पूजन एवं भ्रमण करेंगे। इसके पश्चात् वे पुनः तामिया लौटेंगे और रात्रि विश्राम वहीं करेंगे। मंत्री श्री पटेल 8 मई को प्रातः 8 बजे तामिया से प्रस्थान कर 8:30 बजे जनपद पंचायत तामिया के ग्राम बातरा पहुंचेंगे, जहाँ वे दूधी नदी के उद्गम स्थल का पूजन व भ्रमण करेंगे। इसके बाद वे छिंदी, चिमटीपुर और सुरलाखापा पहुँचेंगे। सुरलाखापा में सीता रेवा और शक्कर नदी के उद्गम स्थलों के पूजन व भ्रमण के अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिले में संचालित स्वच्छता साथी वॉश ऑन व्हील सेवा की भी जानकारी लेंगे।

सभी नदियों के उदगम स्थल को पर्यटन स्थल बनायें

छिंदवाड़ा। पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री कल छिंदवाड़ा आ रहे है वे जिले की नदियों उदगम स्थल का भूमि पूजन करेंगे, जिले लगभग 11 नंदियां निकली है जो देश में सर्वाधिक है। मंत्री जी को सभी नदियों के उदगम स्थल का भूमि पूजन करना चाहिये, ये उदमग स्थल पर्यटन का बहुत अच्छा साधन है, जहां पर्यटको के रूकने एवं खाने पीने की व्यवस्था हो तो वे दो दिन में सभी उद्गम स्थलों में जाकर दर्शन कर सकेंगे, जिला प्रशासन को इन नदियों का फोल्डर भी बनाना चाहिये, जिससे आम आदमी को नदियों की जानकारी मिल सके, इसी तरह जिले में सबसे ज्यादा प्रकार के अनाज का उत्पादन होतो है, इसकी भी जानकारी आम होना चाहिये।

मंत्रियों का वो समूह कहा गया जो चुनाव में वोट मांगने आया था: आनंद बक्षी

छिंदवाड़ा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद बक्षी ने छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले में लगातार विकास कार्यों हेतु फंड की अत्याधिक कमी के लिए भाजपा पर कटाक्ष करते हुए यह प्रश्न पूछा है कि भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार के मंत्रियों का वह समूह कहा गया जो चुनाव में वोट मांगने छिंदवाड़ा आया था। आनंद बक्षी ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, शहरी विकास, सिंचाई विभाग जैसे अनेकों विभाग फंड की कमी से जूझ रहे है। जनता को यह स्मरण होगा कि लोकसभा चुनाव के दौरान बड़े बड़े मंत्री रोज़ाना छिंदवाड़ा आते थे और उनके द्वारा जनसभाओं में यह दावा किया जाता था की छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा के विकास में फंड की कमी नहीं आने देंगे। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं कि आज दोनों जिले फंड की अत्याधिक कमी से जूझ रहे है। विकास कार्य पूर्णतः ठप्प है। नई कोयला खदाने खुलने के कोई आसार नहीं दिख रहे। स्थानीय निकायों के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने तो साफ कह दिया कि भोपाल से फंड नहीं मिलेगा, आप जनता पर करो में वृद्धि कर फंड की व्यवस्था स्वयं करे। यह आश्चर्यजनक है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कैबिनेट ने आज तक छिंदवाड़ा के विकास का कोई भी प्रस्ताव पारित नहीं किया।

RAJDEEP GLOBAL INSTITUTE OF MANAGEMENT
(APPROVED BY AICTE, NEW DELHI AND AFFILIATED TO BU, BHOPAL)
TUMIA ROAD, NEAR DORAHA JOD, Bhopal - 462030
Mobile-9300817222,7354209056 Email id-rajdeepglobal institute@gmail.com
Web: www.rgim.in
APPOINTMENT
UNDER COLLEGE CODE 28 FOR MBA (FULL-TIME)
• Director • Professor
• Associate Professor • Asst. Professor
Qualification and pay as per AICTE norms and experience. The application with Bio-data should reach the above address or email id within 10 days.
Director
RGIM,Bhopal

छिंदवाड़ा दिनांक- 06.05.2025

आम सूचना आपत्ति इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिक निगम स्वामित्व की भूमि ब्लाक नं. 05 प्लाट नं. 6 का भाग रकबा 24'×13'=312 वर्गफिट भूखण्ड आवेदिका श्रीमति सीमा अग्रवाल पति श्री दीपक कुमार अग्रवाल के द्वारा आवेदन पत्र मय पंजीकृत बैनामा, लिंक रजिस्ट्री, शपथ पत्र, आधार कार्ड आदि प्रस्तुत कर उक्त भू-खण्ड की लीज स्वयं के नाम से नामांतरण एवं नवीनीकरण किये जाने की मांग की गई है। उक्त भूखण्ड आवेदिका द्वारा पंजीकृत बैनामा दिनांक 16.04.1991 के द्वारा अंतरण कर्ता श्री नौखेसिंग पिता डिमाकसिंग रघुवंशी से क्रय किया गया है। आवेदिका द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर म.प्र. नगर पालिका अचल संपत्ति का अंतरण नियम 2016 के प्रावधानों के अनुसार उक्त भूखण्ड का लीज नामांतरण एवं नवीनीकरण किये जाने की कार्यवाही प्रस्तावित है।

उक्त भूखण्ड की चतुर्थ सीमा निम्नानुसार है:- उत्तर में सुहागपुरे का मकान, दक्षिण में रामबाग रोड, पूर्व में श्रीमती गीता अग्रवाल का मकान, पश्चिम में श्री दसरु का मकान है।

प्रस्तुत आवेदन पत्र मय संलग्न दस्तावेजों के आधार पर उक्त भू-खण्ड की लीज नामांतरण एवं नवीनीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति अथवा कोई हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर मय दस्तावेजों सहित कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाडा में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित में दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि बाद किसी भी दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
नगर पालिक निगम, छिन्दवाड़ा म.प्र.

भोपाल में तेज बारिश-आंधी, 200 इलाकों की बिजली गुल

ग्वालियर समेत 16 जिलों में आज ओले गिरने का अलर्ट; एमपी में अगले 4 दिन ऐसा ही मौसम

भोपाल। मध्यप्रदेश के ग्वालियर समेत 16 जिलों में आज मंगलवार को ओले गिरने का अलर्ट है। वहीं, भोपाल, इंदौर, जबलपुर-उज्जैन समेत 30 से ज्यादा जिलों में आंधी-बारिश का दौर बना रहेगा। कुछ जिलों में हवा की रफ्तार 60 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है।

इससे पहले सोमवार को भोपाल समेत कई जिलों में बारिश-आंधी का दौर रहा। शाजापुर, नीमच, सीहोर में ओले गिरे जबकि गुना में आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि शादी का टेंट तक उड़ गया। भोपाल में भी धूलभरी आंधी चली। ग्वालियर, मंदसौर, रायसेन, विदिशा, रतलाम, भिंड, छतरपुर, मऊगंज, पन्ना, खरगोन समेत कई जिलों में बारिश हुई। अशोकनगर में टावर गिर गया।

ऐसा ही मौसम मंगलवार को भी बना रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, मैहर, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा में ओले गिर सकते हैं।

वहीं, इंदौर, भोपाल, उज्जैन, जबलपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, देवास, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, कटनी, सतना, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर में गरज-चमक, बारिश और आंधी चल सकती है।

भोपाल में शादियों के टेंट उखड़े, बारात पानी में निकलीं

इससे पहले सोमवार को भोपाल के बैरागढ़, इंदौर-भोपाल रोड, करोंद समेत कई इलाकों में तेज आंधी चली। शादियों के टेंट उखड़ गए। यहां तक कि बारात भी बरसते पानी में ही निकलीं। कोलार, होशंगाबाद रोड, बैरसिया रोड, तुलसी नगर, करोंद, अयोध्या बायपास, न्यू मार्केट, कमला नगर, रेतघाट, तलैया, अशोका गार्डन, शाहजहानाबाद, बाग मुगालिया, बाग सेवनिया, चार इमली, लिंक रोड नंबर-2, रायसेन रोड, पटेल नगर, आनंद नगर समेत 200 से अधिक इलाकों में बिजली गुल हो गई। रात डेढ़ बजे के बाद तक आंधी-बारिश का सिलसिला जारी रहा।

रायसेन में लुढ़ककर 27.4 डिग्री सेल्सियस पर आया पारा

सोमवार को आंधी, बारिश और ओले गिरने की वजह से अधिकांश शहरों में दिन के तापमान में खासी गिरावट आई। रायसेन सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 27.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इसमें एक ही दिन में 8.6 डिग्री की गिरावट हुई। उज्जैन में 5.5 डिग्री की गिरावट के बाद पारा 35.5 डिग्री पर आ गया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में भी तापमान में कमी आई।

नरसिंहपुर में पारा 43 डिग्री रहा, जो प्रदेश में सबसे अधिक है। वहीं, खरगोन में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहा। बाकी जिलों में तापमान इससे कम ही दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल-उज्जैन में 35.5 डिग्री, इंदौर में 35 डिग्री, ग्वालियर में 36.2 डिग्री और जबलपुर में 36.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। रायसेन के साथ पचमढ़ी में 32.2 डिग्री और रतलाम में 32.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

इंदौर में 25 साल बाद सबसे ठंडी रात

इंदौर में सोमवार को मई की सबसे ठंडी रात रही। पारा 7.3 डिग्री गिरकर 17.2 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के मुताबिक, 25 साल में मई में इतनी ठंडी रात नहीं पड़ी।

भोपाल में हाउसिंग बोर्ड के अधूरे प्रोजेक्ट्स का विरोध

गंगानगर, 12 नंबर-बाग मुगालिया के रहवासी कलेक्टोरेट पहुंचे

भोपाल। भोपाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कई हाउसिंग प्रोजेक्ट अधूरे पड़े हैं। गंगानगर, 12 नंबर और बाग मुगालिया में अब तक मकान हैंडओवर नहीं किए जा सके हैं, जबकि मार्च 2025 से फ्लैट्स सौंपे जाने थे। यह मुद्दा विधानसभा में भी उठ चुका है। वहीं, मंगलवार को बड़ी संख्या में लोग रैली निकालकर कलेक्टोरेट पहुंचे और मेन गेट पर ही सड़क पर बैठ गए, ताकि उनकी समस्या का जल्द समाधान हो सके।

दिसंबर 2025 तक मकान देने का वादा, लेकिन अधूरी तैयारियां– प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि नगर निगम ने दिसंबर 2025 तक मकान देने का वादा किया है, लेकिन सभी लोगों को मकान मिलेंगे, इसकी संभावना कम है। क्योंकि, अब तक कई बिल्डिंग के स्ट्रक्चर भी खड़े नहीं हुए हैं।

हम अपना अधिकार मांगते हैं के नारे लगे– मंगलवार सुबह 11 बजे बड़ी संख्या में लोग कलेक्टोरेट के बाहर एकत्र हुए और 'हम अपना अधिकार मांगते हैं' जैसे नारों के साथ कलेक्टर ऑफिस पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से गुहार लगाई कि जल्द से जल्द उन्हें उनके मकान सौंपे जाएं।

मकान नहीं मिलने से परेशानी– बता दें कि मकान देने में देरी का सबसे ज्यादा असर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और मध्यम आय वर्ग परिवारों पर पड़ रहा है। लोग समय पर अपने घर पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि वे किराए, लोन और अन्य खर्चों में अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं।

कमिश्नर का आश्वासन पूरा नहीं– 12 नंबर बस स्टॉप, गंगानगर और बाग मुगलिया के हितग्राहियों ने पिछले साल अक्टूबर के महीने में नगर निगम कार्यालय का घेराव किया था। तब कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव ने हितग्राहियों की बैठक कर आश्वासन दिया था कि दिसंबर 2024, जनवरी 2025 और मार्च 2025 में पजेशन दे दिया जाए, लेकिन कमिश्नर के आश्वासन का कोई असर नहीं हुआ।

अतिथि शिक्षक भर्ती के लिए नए रजिस्ट्रेशन, बिना वेरिफिकेशन के नहीं मिलेगा स्कोर कार्ड

भोपाल। मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग ने जुलाई से शुरू होने वाले सत्र के लिए अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 का शुभारंभ किया है।

यह पोर्टल नए और पुराने दोनों प्रकार के आवेदकों के लिए उपयोगी होगा। इस पोर्टल के जरिए अब शिक्षकों को अपनी शैक्षिक और प्रोफेशनल क्वालिफिकेशन को डाक्यूमेंट्स के माध्यम से सर्टिफाइड करना होगा।

नए और पुराने आवेदकों के लिए प्रक्रिया– नए आवेदक–जो पहले से रजिस्टर्ड नहीं हैं, उन्हें पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर अपनी शैक्षिक और व्यवसायिक योग्यता के डाक्यूमेंट अपलोड करने होंगे।

पहले से रजिस्टर्ड आवेदक– जिनकी जानकारी में कोई बदलाव नहीं है, उन्हें भी डाक्यूमेंट अपलोड करने और प्रोफाइल लॉक करवाने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

जरूरी डेट– सभी आवेदकों को 12 मई 2025 तक अपनी डाक्यूमेंट्स अपलोड करने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

इसके बाद, वेरिफिकेशन प्रक्रिया में कोई त्रुटि या लापरवाही पाए जाने पर संकुल प्राचार्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

वेरिफिकेशन के लिए आवेदकों को ओरिजिनल डॉक्यूमेंट प्रस्तुत करना जरूरी होगा।

वेरिफिकेशन के बाद स्कोर कार्ड जनरेट होगा।

स्कोर कार्ड जनरेशन– वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी किए बिना किसी भी आवेदक का स्कोर कार्ड जनरेट नहीं किया जाएगा।

यह स्कोर कार्ड सत्र 2025ङ्क26 के लिए आवेदक की पात्रता निर्धारित करेगा।

यदि आवेदक डॉक्यूमेंट अपलोड करने में विफल रहते हैं, तो वे भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे।

फौल्टी वेरिफिकेशन पर डिसकीप्लीनरी एक्शन– संकुल प्राचार्य को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी कि सत्यापन सही तरीके से किया जाए। अगर किसी संकुल प्राचार्य के तहत वेरिफिकेशन में लापरवाही पाई जाती है, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

यूजर मैनुअल– बता दें कि, इस प्रक्रिया को समझने के लिए विभाग ने यूजर मैनुअल भी जारी किया है, जिसमें सभी स्टेप्स और दिशा-निर्देश दिए गए हैं। आवेदक इस मैनुअल का पालन करके डॉक्यूमेंट अपलोडिंग और वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

मप्र 10 वीं 12वीं बोर्ड परीक्षा में सफलता हासिल करने पर कुछ इस तरह खुशी का इजहार करते छात्र-छात्राएं।

प्रभारी मंत्री की सहमति के बिना जिले के भीतर नहीं होगी पदस्थापना

भोपाल। जिले के अंदर किस अधिकारी को कहां पदस्थ करना है या उससे क्या काम लेना है, यह अब प्रभारी मंत्री तय करेंगे। अभी व्यवस्था यह है कि सरकार राज्य पुलिस सेवा या फिर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी का जिले में तबादला कर देती है और वहां पदस्थापना कलेक्टर करते हैं। अब इसके लिए कलेक्टर को प्रभारी मंत्री से सहमति लेनी होगी। इसके बाद ही पदस्थापना कर पाएंगे। उल्लेखनीय है कि पुलिस मुख्यालय ने सरकार से यह अधिकार मांगा था, जिले के भीतर पदस्थापना का अधिकार पुलिस अधीक्षक को दे दिया जाए, जिस पर सहमति नहीं बनी और प्रस्ताव लौटा दिया था। वर्ष 2025-26 की तबादला नीति में सरकार ने जिले के भीतर तबादले और पदस्थापना में प्रभारी मंत्री को अधिकार संपन्न बनाया है।

कलेक्टर-एसपी 10 लाख तक की कार में ही चलेंगे

एमपी में अफसरों के लिए वाहन खरीद की लिमिट तय; वेतन के हिसाब से गाड़ी की कीमत

भोपाल। मध्यप्रदेश में कलेक्टर-एसपी स्तर के अधिकारी 10 लाख रुपए से अधिक कीमत वाली गाड़ियों में सफर नहीं कर सकेंगे। कमिश्नर भी 12 लाख रुपए तक की पेट्रोल-डीजल और सीएनजी कारों का ही यूज करेंगे।

दरअसल, वित्त विभाग ने नए वाहनों की खरीदी और वाहन बदलने को लेकर गाइडलाइन जारी की है। जिसमें अधिकारियों के वेतनमान के आधार पर गाड़ियों की अधिकतम कीमत का निर्धारण किया है। गाइडलाइन के मुताबिक उपसचिव आधार पर वित्त विभाग परमिशन देगा। वित्त विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों, कलेक्टरों, संभागीय आयुक्तों को इस संबंध में जारी निर्देश का पालन करने को कहा है।

IAS-IPS, आईएफएस के लिए स्लैब तय– आमतौर पर अखिल भारतीय सेवा में उप सचिव (सातवें वेतन मान के अंतर्गत वेतन मैट्रिक्स लेवल 12) या अपर सचिव (वेतन मैट्रिक्स लेवल-13) स्तर के जिला कलेक्टर के लिए भी गाड़ी की कीमत तय की गई है। उपसचिव वेतनमान वाले आईएएस को 7 लाख

और अपर सचिव स्तर के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अधिकारी अब तय सीमा से अधिक कीमत के वाहन का उपयोग नहीं कर सकेंगे।

विभाग ने अखिल भारतीय सेवा के इन अफसरों का सातवें वेतन मान के आधार पर वेतन मैट्रिक्स तय कर गाड़ियों की कीमतें तय की हैं। ऐसे में इन अधिकारियों द्वारा उपयोग की जा रही लग्जरी गाड़ियों के उपयोग पर बैन की स्थिति बन सकती है।

वाहन खरीदना है तो प्रस्ताव भेजें– वित्त विभाग ने नए वाहनों की खरीदी और वाहन बदलने को लेकर भी निर्देश जारी किए हैं। वाहन की कमी होने पर विभाग उपलब्ध बजट का उल्लेख करते हुए वित्त विभाग को जानकारी देंगे। पहले से उपलब्ध वाहन की निर्धारित अवधि पूरी होने के तक पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और 10 लाख तक ईवी की पात्रता होगी।

अपर सचिव वेतनमान वाले आईएएस अफसर दस लाख रुपए कीमत वाले पेट्रोल, डीजल, सीएनजी या हाइब्रिड वाहन का उपयोग कर सकेंगे। इलेक्ट्रिक वाहन में यह लिमिट 15 लाख होगी। मैट्रिक्स लेवल की यही स्थिति पुलिस महकमे में एसपी, डीआईजी स्तर और वन महकमे में डीएफओ, एसीएफ स्तर के अधिकारियों पर लागू होगी।

कमिश्नर के लिए यह व्यवस्था– गाइडलाइन के मुताबिक अपर सचिव स्तर के अधिकारी (सातवें वेतनमान में मैट्रिक्स लेवल 13) दस लाख तक के पेट्रोल, डीजल और सीएनजी वाहन तथा 15 लाख तक के ईवी उपयोग कर सकते हैं।

अब वैल्यू एडिशन के बाद ही बाहर जाएंगे डेयरी उत्पाद

निजी डेयरियों को बढ़ावा मिलेगा, कंसल्टेंसी सर्विस भी देगी सरकार

भोपाल। प्रदेश में दूध उत्पादन और डेयरी उत्पादों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार अब सहकारी दुग्ध संघों के साथ-साथ निजी डेयरियों को भी प्रोत्साहित करेगी। निजी डेयरियों को नई तकनीक के साथ उन्नत होने के लिए सरकार कंसल्टेंसी सुविधा प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को सीएम हाउस में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड और मप्र सहकारी दुग्ध

संघ के बीच अनुबंध के लगभग एक माह पूरा होने पर इसके बाद के कामकाज की समीक्षा करते हुए यह निर्णय लिया है। सीएम ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में उत्पादित दूध का वैल्यू एडिशन करने के बाद ही डेयरी उत्पाद प्रदेश के बाहर भेजे जाएं। दूध उत्पादन में वृद्धि के लिए राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को उन्नत नस्ल की गाय और भैंसें अन्य राज्यों से लाकर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को सरल बनाने जा रही है। सीएम ने कहा कि देश में दूध उत्पादन में मप्र की हिस्सेदारी को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने के लिए राज्य सरकार हर संभव कदम उठाएगी।

किसानों से दूध खरीदी बढ़ी– बैठक में पशुपालन और सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किसानों से दूध खरीदने की दर में वृद्धि हो रही है। पशुओं के पोषण और स्वास्थ्य पर पहले से अधिक ध्यान दिया जा रहा है। एनडीडीबी की ओर से बताया गया कि प्रदेश के सभी छह दुग्ध संघों के सीईओ का प्रभार उनके अधिकारियों ने संभाल लिया है।

कुंदन पंजाबी फिर प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता बने

भोपाल। युवा नेता कुंदन पंजाबी को मध्य प्रदेश कांग्रेस का पुनः प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर पंजाबी ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, मीडिया अध्यक्ष सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया है।

प्रवक्ताओं की नई सूची जारी

कांग्रेस ने बनाए 53 प्रवक्ता, पचौरी समर्थक समेत 11 हटाए, मुख्य प्रवक्ता का पद खत्म, 26 नाम रिपीट

भोपाल। मप्र कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को प्रवक्ताओं की नई सूची जारी की। इस सूची में कुल 53 लोगों को प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है। पुरानी सूची में लगभग 37 नाम थे। इनमें से भूपेंद्र गुप्ता, शैलेंद्र पटेल, विवेक त्रिपाठी, अभिनव बारोलिया, जितेंद्र मिश्रा, मिथुन अहिरवार समेत 26 को फिर से प्रवक्ता का जिम्मा दिया गया है।

जिन 11 को हटाया गया है, उनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री और अब भाजपा नेता सुरेश पचौरी के समर्थक रहे अमित शर्मा, दिग्विजय सिंह समर्थक विपिन वानखेड़े, कमलनाथ समर्थक डॉ. अशोक मर्सकोले, अरुण यादव समर्थक फरहाना खान, पूर्व विधायक प्रेमचंद गुड्डू की बेटी रीना बौरासी समेत कुल 11 लोग शामिल हैं।

इनमें पूर्व विधायक कुणाल चौधरी का नाम भी है, जो पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के करीबी माने जाते हैं। मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि किसी को हटाया नहीं गया है। जिनके पास दूसरी बड़ी जिम्मेदारी है, उन्हें प्रवक्ता की जिम्मेदारी से मुक्त किया गया है। मुख्य प्रवक्ता पद को लेकर उन्होंने कहा कि देश भर में ऐसा कोई पद नहीं है। इसलिए अब सभी को प्रवक्ता बना दिया गया है।

ट्रेन से लापता हुए केंद्रीय मंत्री, 162 किमी दूर मिले

दिल्ली से जबलपुर तक हड़कंप, रेलवे ने 3 घंटे तक चलाया सर्च ऑपरेशन; हाथ-पैर में चोट

भोपाल। दिल्ली से गोंडवाना एक्सप्रेस में सवार होकर जबलपुर आ रहे केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव ट्रेन से रहस्यमय ढंग से गायब हो गए। शनिवार रात हजरत निजामुद्दीन से रवाना हुई ट्रेन में वे आखिरी बार देखे गए। रविवार सुबह दमोह में उनकी बर्थ खाली मिली। खबर मिलते ही हड़कंप मच गया। करीब 3 घंटे तक ट्रेन-ट्रैक पर सर्च के बाद वे 162 किमी दूर सिहोरा स्टेशन पर (जबलपुर) संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के कोच बी3 की बर्थ 57 पर मिले। उनके हाथ-पैर पर चोट के निशान थे।

पैर फिसला और गिर गए– सूत्रों के अनुसार, सुबह 3ः45 बजे मंत्री दमोह स्टेशन पर उतरे। तभी उनका शुगर लो हो गया और ट्रेन चलने लगी। ट्रेन में चढ़ते समय मंत्री का पैर फिसला और उन्हें चोट आई। इसी दौरान दूसरे प्लेटफॉर्म पर संपर्क क्रांति आई तो मंत्री उसी में बैठ गए। उनका स्टाफ तलाश में जुट गया।

जबलपुर में हुआ इलाज– पीए ने बताया कि मंत्री हरदुआ से लापता हुए। बाद में पता चला कि यहां ट्रेन रुकी ही नहीं। सुबह 6ः55 बजे मंत्री सिहोरा स्टेशन पर मिले। प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर लाया गया। पूरे घटनाक्रम पर मंत्री की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वहीं, रेलवे के सीनियर डीएसीएम डॉ. मधुर वर्मा व सिहोरा में आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब बोले- सूचना मिलते ही स्टाफ को अलर्ट किया गया। जबलपुर पहुंचते ही मंत्री को सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई गई।

भोपाल में लव जिहाद का अड्डा बने कैफे के रिसोर्ट पर चला बुलडोजर

भोपाल। हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म करके उन्हें ब्लैकमेल करने के मामले में भोपाल शहर के उस कैफे- क्लब-90 के रिसार्ट वाले हिस्से को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया, जिसे मुस्लिम युवाओं ने लव जिहाद का अड्डा बना रखा था। यह कार्रवाई यहां जांच के लिए झारखंड की पूर्व डीजीपी निर्मल कौर की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम के पहुंचने के दो घंटे बाद की गई।

जिला-प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों ने बुलडोजर चलाकर इसका ध्वस्तीकरण कराया। हालांकि यह कैफे नगर निगम का है, जिसे लीज पर दिया गया है, लेकिन इसके संचालक ने यहां छह अतिरिक्त कमरों का निर्माण कराकर उन्हें रिसार्ट में तब्दील कर दिया था। इसे अवैध निर्माण मानकर कार्रवाई की गई।

महिला आयोग ने नगर निगम के अधिकारियों को लगाई फटकार– पुलिस के अनुसार, दुष्कर्म का आरोपी फरहान का गिरोह हिंदू छात्राओं को इन्हीं कमरों में लेकर आता था। एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नगर निगम की लीज निरस्त करने के बाद क्लब-90 के कैफो को भी सील कर दिया गया है।

सूत्रों का कहना है कि महिला आयोग के जांच टीम ने यहां अवैध हिस्से में बनाए गए कमरों को लेकर नगर निगम के अधिकारियों को फटकार लगाई थी। जांच दल ने पूछा कि अवैध निर्माण पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। यदि लंबे समय से यहां संदिग्ध गतिविधियां चल रही थीं तो लीज निरस्त करनी चाहिए थी।

सकल हिंदू समाज की महिलाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन देकर सारिक मछली नाम के व्यक्ति पर कैफे क्लब-90 संचालन की आड़ में गिरोह संचालन का आरोप लगाया था।

फरहान को स्कॉलरशिप मिलती थी– राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने टेक्नोक्रेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (टीआईटी) कॉलेज का भी दौरा किया। उनकी जांच में कालेज में महिला सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी मिले, वहां छात्राओं के उत्पीड़न की शिकायतों के लिए विशाखा कमेटी सिर्फ नाम के लिए बनी पाई गई।

टीम यह जानकार चौंक गई कि यहां पढ़ने के दौरान दुष्कर्म के मुख्य आरोपी फरहान को कॉलेज की ओर से 55 हजार रुपये की स्कॉलरशिप भी मिल रही थी, जबकि उसकी हाजिरी बहुत कम थी, फिर भी उसे परीक्षा में बैठने दिया गया।

Navankur Vidyapeeth
Higher Secondary School
DOLPHIN
THE SCHOOL OF WISDOM

VACANCIES For English Medium 2025

S.N.	Post	Vacancies	Minimum Qualification	Post	Vacancies	Minimum Qualification
1	PGT (Lect.) (Physics, Biology, Chemistry)	03	Post-Graduation in concerning subject	TGT (UDT) (English, Mathematics, Social Science)	04	Graduation
2	TGT (UDT) (English, Science)	02	Graduation with concerning Subject	PRT (Asst. Teacher)	12	Higher Secondary
3	PRT(Asst. Teacher)	08	Higher Secondary	Librarian	01	B.Lib/ M.Lib
4	Computer Teacher	03	BCA/PGDCA or its equivalent	Computer Teacher	01	BCA/PGDCA or its equivalent

☎ 07594-359696 www.navankurvidyapeeth.org ☎ 07594-222644 www.dolphinbasoda.org

✓B.Ed./D.Ed. Mandatory. ✓ Must be eligibility to teach in English medium.✓Application will be accepted only in prescribed format.

★Last Date for Apply: 24-05-2025 ★Office Timing: 09 am to 12:00 Noon. ★Address: Ward No. 8, Bareth Road, Ganj Basoda